धनबाद, मंगलवार
17 मार्च 2026
वर्ष : 03 अंक : 165
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

असम के मुख्यमंत्री हिमंत पहुंचे मप्र, माँ पीताम्बरा पीठ में की पूजा अर्चना

दतिया/भोपाल, (एजेंसी) : असम राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा सोमवार को मध्य प्रदेश के दतिया पहुंचे। यहां उन्होंने प्रसिद्ध शक्तिपीठ माँ पीताम्बरा पीठ में पूजा अर्चना कर श्री वनखण्डेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया।

असम राज्य के मुख्यमंत्री सरमा विमान से सोमवार को दोपहर में अल्प प्रवास पर दतिया पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पर भाजपा जिलाध्यक्ष रघुवीरशरण कुशवाहा, कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े, पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वर्मा ने उनकी अगवानी की। इस दौरान जनप्रतिनिधिगण और अधिकारीगण उपस्थित रहे।

देश में 6जी तकनीक के मानकीकरण पर बुधवार को अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित करेगा केंद्र

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्र सरकार 6जी विजन और 6जी तकनीक के मानकीकरण को लेकर 18 मार्च को अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित करेगी। इसका उद्देश्य देश में 2030 तक 6जी तकनीक के डिजाइन, विकास और तैनाती में अग्रणी वैश्विक योगदानकर्ता के रूप में स्थापित करना है।

केद्रीय संचार मंत्रालय ने बताया कि यहां विज्ञान भवन में दूरसंचार विभाग के तकनीकी इकाई संचार अभियंत्रिकी केंद्र (टीईसी) द्वारा आयोजित होने वाली इस कार्यशाला का उद्घाटन केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया करेंगे, जबकि विशेष संबोधन संचार राज्यमंत्री डॉ. पेम्मसानी चंद्रशेखर देंगे। इसमें दूरसंचार विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संगठनों के प्रतिनिधि, उद्योग जगत के नेता, तकनीकी विशेषज्ञ और शोध समुदाय के सदस्य भाग लेंगे। इस अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में कई तकनीकी सत्र और विशेषज्ञ चचाएं होंगी, जिनमें 6जी मानकीकरण का वैश्विक रोडमैप, अगली पीढ़ी की नेटवर्क आर्किटेक्चर, भविष्य के मोबाइल नेटवर्क के लिए स्पेक्ट्रम योजना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग का एकीकरण, सुरक्षा और भरोसे के ढांचे, रेडियो एक्सेस नेटवर्क (आरएएन) तकनीक में विकास, उभरते 6जी के प्रयोग और भारत का 2030 तक का रोडमैप शामिल होंगे।दूरसंचार विभाग ने बताया कि घरेलू नवाचार को मजबूत करना और वैश्विक दूरसंचार मानकीकरण में भारत की भूमिका को बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

एलपीजी संकट पर राज्यसभा में सत्तापक्ष व विपक्ष में तीखी नोंकझोक

नई दिल्ली, (एजेंसी) : देश में लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की उपलब्धता और कीमतों के मुद्दे सोमवार को राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच नोकझोंक देखने को मिली।राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच देश में एलपीजी आपूर्ति प्रभावित होने का मुद्दा उठाया। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने उन्हें टोका, जिसके बाद सदन में कुछ देर के लिए माहौल गर्म हो गया।खरगे ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण देश में एलपीजी संकट की स्थिति बन गई है। भारत अपनी कुल एलपीजी जरूरतों का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है और इसमें करीब 90 प्रतिशत आपूर्ति होर्मुज की खाड़ी के रास्ते से आती है। ऐसे में हालात बिगड़ने से देश के कई हिस्सों में आम जनता, होटल, रेस्टोरेंट और हॉस्टल सहित विभिन्न क्षेत्रों में परेशानी बढ़ गई है।उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर एलपीजी सिलेंडर के दाम 5,000 रुपये से अधिक तक पहुंच गए हैं। पेट्रोलियम मंत्री ने लोकसभा में दावा किया था कि देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं है

प्रिंस खान के तीन गुर्गे पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

दो को लगी गोली, भागने के दौरान एक का पैर टूटा

प्रिंस खान के 6 शूटरों के होने की सूचना पर पुलिस ने की कार्रवाई

रांची पुलिस भी थी साथ में

घटना स्थल से बम, पिस्टल व जिंदा कारतूस बरामद

फॉरेंसिक टीम पहुंची मुठभेड़ स्थल पर

बम निरोधी दस्ता में बम को निष्क्रिय

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद। गैंगस्टर प्रिंस खान के तीन गुर्गे को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। इसमें से दो अपराधी पुलिस की गोली से घायल हो गए है। भागने के क्रम में एक अपराधी का पैर टूट गया है। सभी का पुलिस कस्टडी में इलाज चल रहा है। भुठभेड़ भागा बांध के केंदुआडीह बस्ती के निकट की है। सूचना मिलने पर पुलिस ने गैंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ के बाद तीन शूटरों को गिरफ्तार किया है। मौके पर छह अपराधी थे। तीन भागने में सफल रहे। गिरफ्तार अपराधियों में विक्की डोम, अफजल और अमन सिंह उर्फ कुबेर सिंह के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार भगाबाँध ओपी क्षेत्र के केंदुआडीह बस्ती के समीप प्रिंस खान के छह शूटरों के छिपे होने की सूचना पर पुलिस ने अभियान चलाया। इसी दौरान पुलिस और अपराधियों के बीच गोलीबारी की घटना हुई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में प्रिंस खान के दो शूटर गोली लगने से घायल हो गए, जबकि एक अपराधी भागने के दौरान गिरकर घायल हो गया, जिससे उसका पैर टूट गया। पुलिस ने मौके से तीनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अपराधियों की पहचान विकी डोम, अफजल और अमन सिंह उर्फ कुबेर सिंह के रूप में हुई है। सभी का फिलहाल पुलिस कस्टडी में अस्पताल में इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि अमन सिंह उर्फ कुबेर सिंह प्रिंस खान के सोशल मीडिया से जुड़े ऑडियो और वीडियो वायरल करने का काम करता था। एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि पकड़े गए सभी अपराधी हाल के दिनों में रांची के एक रेस्टोरेंट में फायरिंग और धनबाद इकबाल खान के ड्राइवर पर गोलीबारी की घटना में भी शामिल थे। घटनास्थल से पुलिस ने जिंदा बम, कई कारतूस, मोबाइल फोन समेत अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। मामले की जांच के लिए एफएसएल और बीडीडीएस की टीम को मौके पर बुलाया गया है, जो साक्ष्य जुटाने में लगी है।

यह कार्रवाई रांची और धनबाद पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में छापेमारी जारी है।

लोकसभा में पहली बार प्रश्नकाल बिना किसी हंगामे के पूरा, राज्यसभा में एलपीजी पर हंगामा

नई दिल्ली,(एजेंसी) : सोमवार को लोकसभा में पहली बार प्रश्नकाल बिना किसी हंगामे के पूरा हुआ। इधर राज्यसभा में एलपीजी सिलेंडर के संकट को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पेट्रोलियम मंत्री ने लोकसभा में दावा किया है कि एलपीजी की कोई कमी नहीं है, लेकिन जमीनी हकीकत सरकारी दावों को गलत साबित कर रही है। अगर सरकार समय रहते इंतजाम कर लेती, तो हालात इतने खराब नहीं होते।इस पर बीजेपी सांसद जेपी नड्डा ने खड़गे को टोका। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आपदा में भी राजनीति कर रही है। इसके बाद भी खड़गे ने बोलना जारी रखा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस नेता जवाब नहीं सुनते है। लोकसभा में सदन की कार्यवाही शुरू होते ही कुछ विपक्षी सांसदों ने अपने मुद्दे तुरंत उठाने की मांग की। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि उन्हें दोपहर 12 बजे प्रश्नकाल खत्म होने के बाद बोलने का मौका दिया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रश्नकाल के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और गजेंद्र सिंह शेखावत ने सांसद के सवालों के जवाब दिए। राज्यसभा में कार्यकाल पूरा होने पर रंजन गोगोई को विदाई दी गई। 9 मार्च से शुरू हुए बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले हफ्ते में विपक्ष के विरोध के कारण सुबह 11 बजे से 12 बजे तक होने वाला प्रश्नकाल पूरा नहीं हो पा रहा था।

भाजपा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए 144 उम्मीदवारों की सूची जारी की

सुवेंदु भवानीपुर से भी प्रत्याशी

नयी दिल्ली, (एजेंसी) : भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए अपने 144 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी।

पार्टी ने श्री सुवेंदु अधिकारी को उनके मौजूदा विधानसभा क्षेत्र नंदीग्राम के साथ-साथ भवानीपुर सीट से भी उम्मीदवार बनाया है जहां से तृणमूल कांग्रेस प्रमुख एवं राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस समय विधायक हैं। पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार घोष को बोलपुर से टिकट दिया गया है। इसके अलावा कूचबिहार उत्तर (एससी) सीट से सुकुमार रॉय, सीतलकुची (एससी) से सावित्री बर्मन, दिनहाटा से अजय रॉय और तूफानगंज से मालती रावा रॉय को उम्मीदवार बनाया गया है। कुमारग्राम (एसटी) से मनोज कुमार ओरांव, कालचिनी (एसटी) से विशाल लामा और अलीपुरद्वार से परितोष दास को टिकट दिया गया है।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की 12 मार्च को हुयी बैठक में उम्मीदवारों के नामों पर विचार किया गया। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह समेत केंद्रीय चुनाव समिति के सभी सदस्य मौजूद थे। विचार विमर्श के बाद पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए 144 उम्मीदवारों के नामों को मंजूरी दी गई।

भाजपा नेतृत्व का कहना है कि उम्मीदवारों का चयन संगठन की मजबूती, क्षेत्रीय संतुलन और सामाजिक प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए किया गया है। पार्टी को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्र सरकार की योजनाओं के आधार पर राज्य में उसे व्यापक जनसमर्थन मिलेगा।

बंगाल में इस बार दो चरणों में मतदान होने के कारण राजनीतिक दलों को प्रत्याशियों की सूची जारी करने की होड़ मच गई है। वाममोर्चा ने कांग्रेस, आइएसएफ व तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा नवगठित पार्टी के साथ गठबंधन की प्रतीक्षा न करते हुए प्रत्याशियों की अपनी पहली सूची जारी कर दी है। वहीं सत्ताधारी पार्टी तृणमूल मंगलवार को अपनी सूची जारी करने जा रही है। दूसरी तरफ मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने इसे लेकर सोमवार को महत्वपूर्ण बैठक की और 144 उम्मीदवारों की अपनी लिस्ट जारी कर दी है।

झारखंड विधानसभा में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रक्तदान कर किया शुभारंभ

रांची, (एजेंसी) : झारखंड विधानसभा के औषधालय में सोमवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का शुभारंभ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्वयं रक्तदान कर किया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर रक्तदान को एक महान मानवीय कार्य बताया। उन्होंने कहा कि यह ऐसा पुनीत कार्य है, जिससे कई जरूरतमंदों को नया जीवन मिलता है। उन्होंने कहा कि रक्तदान के माध्यम से हम किसी अजनबी की भी जान बचाने में योगदान दे सकते हैं। मुख्यमंत्री ने विधानसभा के सभी सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों से इस सामाजिक कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को रक्तदान के महत्व को समझना चाहिए और जरूरतमंदों की सहायता के लिए समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए।

इस अवसर पर विधानसभा रवींद्र नाथ महतो अध्यक्ष, मंत्री, विधायक तथा विधानसभा के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में कई लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर इस सामाजिक पहल में अपनी भागीदारी निभाई।

सर्वदलीय बैठक में आठ सांसदों के निलंबन को वापस लेने पर सहमति, मंगलवार को प्रश्नकाल के बाद मामला उठाया जाएगा

नई दिल्ली, (एजेंसी) : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में सोमवार को हुई सर्वदलीय बैठक में आठ निलंबित सांसदों का निलंबन वापस लेने पर सहमति बन गई है। सूत्रों के अनुसार इन सांसदों का निलंबन मंगलवार को प्रश्नकाल के बाद औपचारिक रूप से वापस लिया जाएगा।जिन सांसदों का निलंबन वापस लिया जाएगा उनमें गुरजीत सिंह औजला, हिबी ईडन, एडवोकेट डीन कुरियाकोस, अमरींदर सिंह राजा वारिंग, बी. मणिकम टैगोर, डॉ. प्रशांत यदोराव पाडोले, चामला किरण कुमार रेड्डी और एस. वेंकटेशन शामिल हैं। इन सांसदों को संसदीय कार्य मंत्री द्वारा लाए गए प्रस्ताव के आधार पर तीन फरवरी से शुरू हुए सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया गया था।सूत्रों के अनुसार बैठक में नेताओं ने संसद की गरिमा और स्थापित परंपराओं को बनाए रखने पर भी सहमति जताई। इसके तहत यह तय किया गया कि कोई भी सदस्य सदन के वेल में दूसरी ओर नहीं जाएगा, कागज फाड़कर आसन की ओर नहीं फेंकेगा और न ही अधिकारियों की मेज पर चढ़ेगा। इसके अलावा, सभी सदस्य सदन की मयार्दा का पालन करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसी घटनाएं भविष्य में दोबारा न हों।

इस बीच लोकसभा सचिवालय ने सांसदों को संसद परिसर में मयार्दा बनाए रखने के संबंध में एक बुलेटिन भी जारी किया है। बुलेटिन में दिशानिर्देश 124अ(2) का हवाला देते हुए कहा गया है कि संसद परिसर के क्षेत्र और मार्ग को सांसदों के लिए खुला और बाधारहित बनाए रखना आवश्यक है।बुलेटिन में स्पष्ट किया गया कि संसद परिसर में हथियार, झंडे, पोस्टर, लाठी, भाला, तलवार, डंडे और ईंट आदि ले जाना निषिद्ध है। सांसदों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे पोस्टर, प्लेकार्ड या बैनर न लाएं और न ही उनका प्रदर्शन करें।इसके अलावा सचिवालय ने यह भी कहा कि कुछ मामलों में पोस्टर और प्लेकार्ड पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआई) से तैयार आपत्तिजनक चित्र, तस्वीरें और नारे प्रदर्शित किए गए हैं।

पश्चिम बंगाल विस चुनाव : वाम मोर्चा ने 192 सीटों पर घोषित किए उम्मीदवार

कोलकाता, (एजेंसी) : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर वाम मोर्चा ने 192 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों की पहली सूची सोमवार को जारी कर दी है। वाम मोर्चा के अध्यक्ष विमान बोस ने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। सूची में माकपा, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, फारवर्ड ब्लॉक, आरएसपी सहित सहयोगी दलों के बीच सीटों का बंटवारा दिखाई देता है।

माकपा के प्रदेश सचिव मोहम्मद सलीम ने नाटाबाड़ी और तुफानगंज सीटों पर बाद में संशोधन की जानकारी भी दी। घोषित सूची से स्पष्ट है कि माकपा ने सबसे अधिक सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि फारवर्ड ब्लॉक, आरएसपी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी को भी महत्वपूर्ण सीटें दी गई हैं। उत्तर बंगाल की कई सीटों पर वाम मोर्चा ने अपने संगठन से जुड़े अनुभवी नेताओं को मैदान में उतारा है। इनमें प्रमुख रूप से सिलिगुड़ी से शरदिंदु चक्रवर्ती, जलपाईगुड़ी से देबराज बर्मन, रायगंज से जीवनानंद सिंह, बालुरघाट से अर्णब चौधरी और गंगारामपुर से बिप्लब बर्मन शामिल हैं ।

कोलकाता और आसपास के शहरी क्षेत्रों में भी वाम मोर्चा ने पहचान वाले चेहरों को उम्मीदवार बनाया है। इनमें जादवपुर से विकास रंजन भट्टाचार्य, काशीपुर-बेलगछिया से राजिंदर गुप्ता, बेहाला पूर्व से निलय मजूमदार, बेहाला पश्चिम से निहार भक्त, कोलकाता पोर्ट से फैज खान शामिल हैं।

इसके अलावा दक्षिण 24 परगना और तटीय क्षेत्रों में भी वाम मोर्चा ने अपने पारंपरिक वोट आधार को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवार उतारे हैं। सागर से स्वपन सिंह, काकद्वीप से नारायण दास और रायदीघी से साम्य गांगुली को टिकट दिया गया है।

वहीं, जंगलमहल और आदिवासी बहुल क्षेत्रों में भी वाम मोर्चा ने अपने जनाधार वाले नेताओं को टिकट दिया है। झाड़ग्राम से अर्जुन महतो, केशियारी से मलिना मुर्मू, बिनपुर से रबी सिंह सरदार और रानीबांध से देबलीना हेम्ब्रम को उम्मीदवार बनाया गया है।इसके साथ ही, आसनसोल और दुगार्पुर औद्योगिक क्षेत्र में भी वाम मोर्चा ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। आसनसोल दक्षिण से शिल्पी चक्रवर्ती, दुगार्पुर पूर्व से सीमांत चटर्जी और दुगार्पुर पश्चिम से प्रभास साईं को टिकट दिया गया है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वाम मोर्चा ने इस सूची के जरिए अपने पारंपरिक कैडर, जमीनी नेताओं और सामाजिक संतुलन को प्राथमिकता दी है।

संक्षिप्त खबरें

आरपीएफ सब इंस्पेक्टर सूरज पांडेय को सम्मानित करेंगे संजय सेठ,

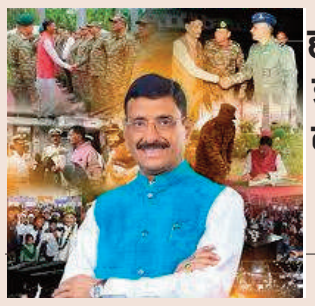

हाई टेंशन तार से झुलसे युवक को बचाने में निभाई प्रशंसनीय भूमिका

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : शनिवार को रांची रेलवे स्टेशन पर एक युवक ने आत्महत्या का प्रयास किया। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम में वह पच्चीस हजार वोल्ट के हाई टेंशन तार से उलझ गया और बुरी तरह झुलस गया। उस युवक को ऊपर से उतारना और उसे बचाना एक जोखिम भरा काम था। आरपीएफ रांची रेलवे स्टेशन में तैनात सब-इंस्पेक्टर सूरज पांडेय ने इस कार्य के लिए बहुत ही प्रशंसनीय योगदान दिया। सूरज पांडे खुद पत्थरों पर लेट गए और बिजली के करंट से झूलते हुए युवक को इनके शरीर पर गिराया गया ताकि उसे चोट नहीं लगे। इस घटनाक्रम के दौरान रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ रेलवे स्टेशन पर ही मौजूद थे। उन्होंने तुरंत गुरुनानक अस्पताल और रिम्स में कॉल करके झुलसे युवक के समुचित इलाज की व्यवस्था की। अब उस युवक की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। इस पूरे प्रकरण में आरपीएफ के सब इंस्पेक्टर सूरज पांडेय ने जो अद्भुत साहस का परिचय दिया, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम ही होगी। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने उक्त अधिकारी की खूब प्रशंसा की है और उन्हें सम्मानित करने की घोषणा भी की है। श्री सेठ ने कहा कि सुरक्षा से जुड़े ऐसे ही अधिकारी और जवान अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा देने का काम करते हैं। अभी संसद सत्र में दिल्ली में होने के कारण, रांची आने के उपरांत सूरज पांडेय को सम्मानित करूंगा। उन्होंने समाज के हर वर्ग को ऐसे अधिकारी को सम्मानित करने का आग्रह किया। श्री सेठ ने कहा कि वो रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से भी रेल सुरक्षा से जुड़े ऐसे अधिकारी का उत्साहवर्धन करने का आग्रह कर रहे हैं।

दो बाइक की टक्कर में युवक की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां मार्ग पर बुरूडीह बाईपास के समीप(पंचू ढाबा के पास) सोमवार को दो बाइक में जोरदार भीडंत हो गयी।इस दुर्घटना में बाइक सवार खरसावां के बेगनाडीह गांव निवासी अर्जुन मल्लिक (52) की घटना स्थल पर ही मौत हो गयी, जबकि दूसरे बाइक सवार खरसावां के बेहरासाही गांव के मो शरीम (25) गंभीर रुप से घायल हो गये। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अर्जुन मल्लिक सड़क पर दूर जा कर गिरे गये, जिससे उनके सिर पर गंभीर चोट आई।अत्याधिक रक्त बहने व अंदरुनी चोट के कारण अर्जुन मल्लिक की मौत हो गयी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही खरसावां पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंच कर अर्जुन मल्लिक व मो शरिम को सरायकेला सदर अस्पताल पहुंचाया।सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने अर्जुन मल्लिक को मृत घोषित कर दिया।साथ ही गंभीर रुप से घायल मो शरिम का प्राथमिक उपचार कर बेहतर ईलाज के लिये एममजीएम (जमशेदपुर) रेफर कर दिया।घटना के बारे में मिली जानकारी के अनुसार मृतक बुरुडीह के निकट निमार्णाधीन रुंगटा प्लांट में सिविल ठेकेदार के रूप में कार्यरत थे।दोपहर करीब 12:30 बजे वह खाना खाने के लिए प्लांट से अपने घर जा रहे थे।इसी दौरान बुरुडीह बाईपास के पास एक तेज रफ्तार बाइक से उनकी बाइक को जोरदार टक्कर हो गयी।

राहुल दूबे, अमन साहू, मयंक सिंह व प्रकाश शुक्ला के नाम पर बोकारो में लोहा व्यवसायी से मांगी पांच करोड़ की रंगदारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : बीएसएल एलएच निवासी लोहा व्यवसायी रितेश कुमार सिंह ने बीएस सिटी थाना में सोमवार को प्राथमिकी दर्ज करायी है।इसमें राहुल दूबे, अमन साहू, मयंक सिंह व प्रकाश शुक्ला पर रंगबाजी मांगने और परिवार सहित जान से मार देने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है।रितेश ने पुलिस को बताया है कि रविवार को मेरे मोबाइल पर व्हाटसअप कॉल आया।

कॉल करने वाले ने कहा कि बॉस को पांच करोड़ रुपया चाहिए।इसके अलावे मैसेज करके भी पांच करोड़ मांगा गया। विरोध करने पर अभद्रता की गयी। धमकी दी गयी कि बोकारो में एक व्यापारी की हत्या करनी थी। तुम्हारे घरवालों व सहयोगियों पर नजर बना रखे हैं।पैसे नहीं देने पर हत्या करेंगे। इधर, इंस्पेक्टर सुदामा कुमार दास ने प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है।मामले की जांच शुरू कर दी गयी है।एसपी हरविंदर सिंह व सिटी डीएसपी को भी जानकारी दी है।

सुमित कुमार निर्विरोध चुने गये गिरिडीह नगर निगम के डिप्टी मेयर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : समाहरणालय सभागार में सोमवार को नगर निगम के डिप्टी मेयर पद के लिए निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुई। निगम के सभी नवनिर्वाचित वार्ड पार्षद उपस्थित रहे।जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) की देखरेख में डिप्टी मेयर पद के लिए निर्वाचन की प्रक्रिया हुई।इसके लिए सुमित कुमार का नाम प्रस्तावित किया गया। निर्धारित समय सीमा के भीतर उनके विरुद्ध कोई अन्य प्रत्याशी सामने नहीं आये। इस-ेके बाद उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।डीडीसी सह निवार्ची पदाधिकारी स्मृता कुमारी ने औपचारिक घोषणा करते हुए सुमित कुमार को प्रमाणपत्र दिया। घोषणा के बाद सुमित को डिप्टी मेयर के पद व गोपनीयता की शपथ दिलायी गयी।उपस्थित अधिकारियों सहित वार्ड पार्षदों ने भी सुमित को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।डीसी रामनिवास यादव ने कहा कि जनता के विश्वास से प्राप्त यह जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे पूरी निष्ठा, ईमानदारी तथा समर्पण के साथ निभाना आवश्यक है। मेयर प्रमिला मेहरा ने कहा कि नगर निगम के विकास और जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने में डिप्टी मेयर की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। ड-ीडीसी स्मृता कुमारी ने नवनिर्वाचित डिप्टी मेयर को बधाई दी।मेयर के बाद अब डिप्टी मेयर का पद भी

झामुमो के खाते में चली गयी है। मेयर प्रमिला मेहरा झामुमो महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष हैं।नगर निगम चुनाव में वह झामुमो की समर्थित प्रत्याशी थीं।वहीं, डिप्टी मेयर सुमित कुमार झामुमो के जिला कोषाध्यक्ष हैं।इस पद को लेकर उन्हें झामुमो से जुड़े वार्ड पार्षदों का समर्थन प्राप्त था।पूर्व से ही श्री कुमार द्वारा बहुमत से अधिक वार्ड पार्षदों का समर्थन होने का दावा किया जा रहा था।चुनाव कराने की नौबत नहीं आयी और वह निर्विरोध डिप्टी मेयर चुने गये हैं।अहम बात यह है कि जिन वार्ड पार्षदों ने पूर्व में डिप्टी मेयर पद को लेकर अपनी दावेदारी कर रखी थी, वे लोग पूरी प्रक्रिया के दौरान चुपचाप बैठे रहे। अनुमान लगाया जा रहा था कि भाजपा से जुड़े वार्ड पार्षद डिप्टी मेयर पद के लिए अपना नामांकन पर्चा दाखिल करेंगे, लेकिन कोई सामने नहीं आये।डिप्टी मेयर चुने जाने पर सुमित कुमार को उनके समर्थकों ने समाहरणालय गेट के समक्ष माला पहनाकर स्वागत किया।बधाई देने वालों में पार्षदों के अलावा झामुमो जिलाध्यक्ष संजय सिंह, अजीत कुमार पप्पू, राकेश सिंह रॉकी, राकेश रंजन, टुन्ना सिंह, दिलीप रजक, अजय कांत झा, गिरेंद्र यादव, रंजीत गोड़, हबलू गुप्ता, हरिमोहन कंधवे, सोनू चौरसिया आदि शामिल हैं।डिप्टी मेयर सुमित कुमार ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है, उसे पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण के साथ निभाने का प्रयास करेंगे।सभी के सहयोग से विकास कार्यों को गति दी जायेगी। उन्होंने कहा कि निगम के सभी वार्डों में विकास कार्यों को समान रूप से आगे बढ़ाने तथा आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का प्रयास होगा। सरकार से भी सहयोग लिया जायेगा।गिरिडीह की तस्वीर को बदलने का प्रयास किया जायेगा।

बिहार के मुंगेर के रहने वाले टीटीआई के बरहरवा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ने के दौरान गिरकर हुई मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

साहिबगंज : मालदा रेल मंडल अंतर्गत बरहरवा रेलवे स्टेशन पर सोमवार को करीब 9 बजे फरक्का एक्सप्रेस ट्रेन में चढ़ने के दौरान फिसलकर गिरने से एक टीटीआई की मौत हो गयी।जानकारी के अनुसार सोमवार को जब फरक्का एक्सप्रेस ट्रेन बरहरवा से मालदा जाने के लिये खुली तो इसी दौरान एक व्यक्ति ट्रेन पकड़ने के लिये चलती ट्रेन के एसी डब्बे में चढ़ने का प्रयास करने लगे।इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वे नीचे पटरी में गिर गये।वही यात्रियों के शोर मचाने के बाद मौके पर आरपीएफ के जवान पहुंचे फिर ट्रेन गुजरने के बाद प्लेटफॉर्म और पटरी के बीच उन्हें गंभीर अवस्था में पाया गया।उस समय उनकी सांसे चल रही थी।इसके बाद आरपीएफ द्वारा उन्हें समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहरवा ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान हवेली खड़गपुर,जिला मुंगेर बिहार के रहने वाले प्रकाश कुमार मिश्रा(55),पिता स्वर्गीय अनुरोध मिश्रा के रूप में हुयी है।मृतक रेलवे विभाग में ही टीटीआई के रूप में मालदा में कार्यरत थे।इधर टीटीआई की मृत्यु की सूचना पर पहुंचे मालदा रेल मंडल के चीफ इंस्पेक्टर ऑफ टिकट जेनरल सपन दास ने बताया कि मृतक प्रकाश कुमार करीब दो वर्षों से मालदा में ट-ीटीआई के पद पर कार्यरत थे।पिछले कुछ दिनों से छुट्टी पर थे तथा 15 मार्च को ही उनका ट्यूटी मालदा से आनंद बिहार ट्रेन में था।इसी के लिये वो फरक्का एक्सप्रेस से मालदा आ रहे थे।वही अधिकारियों ने आशंका जताया है कि मालदा जाने के क्रम में ट्रेन का मेल नहीं मिलने के अंदेशे पर वे बरहरवा उतरे होंगे और फिर दोबारा चलती ट्रेन पकड़ने में फिसलकर गिर गये होंगे।वही खबर लिखे जाने आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार सहित रेलवे के कयी अधिकारी अस्पताल में मौजूद थे,वही खबर लिखे जाने तक मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिये अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल ले जाने की प्रक्रिया की जा रही थी।

हाईवे पार कर रहे वृद्ध की अज्ञात वाहन के धक्के से मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : बरसोल थाना क्षेत्र के खंडामौदा चौक के समीप एनएच 49 में सोमवार को सड़क पार करने के दौरान अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मालुआ निवासी वृद्ध युगल माइति (58) की दर्दनाक मत हो गयी। जानकारी के अनुसार युगल माइति साइकिल पर सवार होकर दुध देने के लिए खंडामौदा आ रहे थे।खंडामौदा के दूसरे चौक के समीप साइकिल का टायर पंचर हो गया।साइकिल को सड़क किनारे रखकर सड़क पार कर रहे थे। तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने धक्का मार फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए बहरागोड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां जांच के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया गया।घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।घटना की सूचना पाकर बरसोल पुलिस पहुंची।शव का पंचनामा करते हुए पोस्टमार्टम के लिए घाटशिला भेज दिया गया।स्थानीय लोगों का कहना है कि आये दिन उक्त जगह पर सड़क दुर्घटना हो रही है।तेज रफ्तार वाहन को नियंत्रण करने के दिशा में पहल की जाय, ताकि लोग सुरक्षित तरीके से यातायात कर सके।

आग लगने से घर जल कर राख,पांच लाख मूल्य की संपत्ति नष्ट

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी : मुरहू प्रखंड के गोड़ाटोली गांव में सोमवार को आगलगी की घटना में जोहन मुंडू का खपड़ैल घर जलकर राख हो गया। इस घटना में घर में रखे लगभग पांच लाख रुपये मूल्य के सामान नष्ट हो गए। आग लगने से घर का छप्पर, खिड़की और दरवाजे पूरी तरह जल गए। वहीं घर के अंदर रखे पलंग, बिस्तर, साइकिल सहित अन्य घरेलू सामान भी जलकर राख हो गए। हालांकि घर में रखा कुछ अनाज आग की चपेट में आने से बच गया।जानकारी अनुसार सोमवार को मुरहू में साप्ताहिक हाट लगता है। इसी कारण जोहन मुंडू अपने पूरे परिवार के साथ हाट गए हुए थे। इसी दौरान शाम लगभग चार बजे उनके घर में आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही शिब्लू खां सहित स्थानीय लोगों ने खूंटी फायर स्टेशन को जानकारी दी।

तीनपहाड़ में चोरों का मनोबल बढ़ा, एक सप्ताह के अंदर चोरी की तीसरी बड़ी घटना को दिया अंजाम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

साहिबगंज : तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के पडरिया बागान निवासी मनोज कुमार सिंह के घर का ताला तोड़ कर बीती रविवार की रात्रि को अज्ञात चोरो द्वारा लगभग तीन लाख का चोरी कर लिया गया। इसको लेकर मनोज सिंह का साला रणधीर कुमार सिंह ने इसकी शिकायत तीनपहाड़ थाना में किया जिसमें उल्लेख किया है कि वह मां भगेश्वरी पेट्रोल पंप जो उनके जीजा मनोज कुमार सिंह का है जिसका जिसका हिसाब किताब रणधीर कुमार सिंह के पास रहता है।वह अपने जीजा के घर पर ही रहते है लेकिन रविवार को वह अपने बच्चे को छोड़ने लगमा हाट गया था और घर मे ताला बंद था घर पर कोई नही था जिसका फायदा उठाते हुए अज्ञात चोरों ने घर के मेन गेट का ताला तोड़ कर घर मे घुस कर घर के दो लामीरा को तोड़ कर आकस्मिक फंड का लगभग 80 हजार रुपये 5,10और 20 रुपये का सिक्का 70 हजार रुपया और मनोज कुमार सिंह के पत्नी के अलमीरा से अंगूठी ,चैन ,पायल लगभग 1.5 लाख रुपया का और जरूरी

कागजात चोरी कर लिया गया। इसके अलावे सीसीटीवी कैमरे के सीडीआर भी ले कर भाग गया। इसको लेकर कानूनी करवाई की गुहार थाना पुलिस से किया है। वही इस मामले को लेकर राजमहल पुलिस इंस्पेक्टर राजीव रंजन तीनपहाड़ थाना के एएसआई ललन रजवार सहित बल घटना स्थल पर पहुँच कर मामले की जांच किया।थाना क्षेत्र के बैंक मोड़ के समीप जीएम बजाज बाइक शो रूम और डिलेवरी लिमिटेड में बीते 9 मार्च की रात्रि को अज्ञात चोरों द्वारा ग्रिल तोड़ कर एक लाख 86 हजार और दो लैपटॉप जिसकी कीमत एक लाख का चोरी कर लिया गया था जिसकी सीसीटीवी में चोरी की घटना का फुटेज रेकॉर्ड हुआ था। वही इस घटना के एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी पुलिस द्वारा किसी चोर को पकड़ने में कामयाबी नही मिली है।वही क्षेत्र में चर्च का विषय बना हुआ है कि एक सप्ताह में थाना क्षेत्र में तीन बड़ी चोरी की घटना को चोरो ने अंजाम दिया है।चोरी की घटना को अंजाम देने वाले चोरो को बहुत जल्द पकड़ लिया जाएगा पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

कोल्हान विश्वविद्यालय में शिक्षकों के खाली पदों को भरने की मांग

विधायक दशरथ गागराई ने विस में उठाया मामला

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : खरसावां विधायक दशरथ गागराई ने कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा में शिक्षकों के खाली पदों को भरने की मांग की है।सोमवार को तारांकित प्रश्न उठाते हुए कहा कि कोल्हान विश्व विद्यालय के 19 कॉलेजों में शिक्षकों के कई पद रिक्त पड़े हुए है।शिक्षकों की कमी से विश्व विद्यालय में पठन पाठन कार्यो पर प्रतिकुल असर पड़ रहा है। विधायक ने सरकार से पुछा कि क्या सरकार शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने का विचार रखती है ?विधायक दशरथ गागराई के सवाल पर उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग की ओर से लिखित उत्तर में कहा गया कि कोल्हान विश्वविद्यालय के 19 कॉलेजों में शिक्षकों के 840 पद स्वीकृत है, जिसमें प्रोफेसर के 23, एसोसिएट प्रोफेसर के 64 व सहायक प्रोफेसर के 753 पद स्वीकृत है। वर्तमान में कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा कुल 359 शिक्षक कार्यरत है, जिसमें 231 नियमित शिक्षक व 128 आवश्यकता आधारित शिक्षक शामिल है। कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा में नियमित शिक्षकों के अतिरिक्त आवश्यकता आधारित शिक्षकों एवं अतिथि शिक्षकों द्वारा पठन पाठन कार्य कराया जा रहा है।कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा में शिक्षकों के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु झारखंड लोक सेवा आयोग, रांची को अधियाचना भेजी गयी है।खरसावां विधायक दशरथ गागराई ने अग्र परियोजना केंद्रों (पीपीसी) के खाली पदों को भरने की मांग की है। सोमवार को विस में शून्य काल के दौरान उन्होंने इस मुद्दे को उठाया।विधायक दशरथ गागराई ने कहा कि कोल्हान प्रमंडल में अवस्थित 14 अग्र परियोजना केंद्रों में पदाधिकारियों व कर्मचारियों के आधे से अधिक पद रिक्त है। इससे कोल्हान में तसर उत्पादन पर प्रतिकुल असर पड़ रहा है। विधायक दशरथ गागराई ने सदन के माध्यम से सरकार से कोल्हान प्रमंडल के 14 अग्र परियोजना केंद्रों में रिक्त पदों को शीघ्र करने की मांग की।

सीयूजे में सतत खनन व पारिस्थितिक पुनर्स्थापन पर विमर्श

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड (सीयूजे) में सोमवार को सतत खनन और पारिस्थितिक पुनर्स्थापन विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी व एक्सपो के लिए कर्टेन रेजर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रांची की रोशनी खलखो, एके शुक्ला (सलाहकार व पूर्व अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड), सीमा सिंह (सामाजिक कार्यकर्ता), राकेश लाल (सामाजिक कार्यकर्ता), प्रो बिजॉय सिंह (कुलाधिपति, सिक्किम स्किल यूनिवर्सिटी) और डॉ एनपी शुक्ला (शासी परिषद सदस्य, विज्ञान भारती) को सम्मानित किया गया। साथ ही, राष्ट्रीय संगोष्ठी व एक्सपो के आधिकारिक ब्रोशर का भी लोकार्पण किया गया। डॉ सीएस द्विवेदी, सह-संयोजक और सचिव, विज्ञान भारती झारखंड ने वर्तमान पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान में सतत खनन और पारिस्थितिक पुनर्स्थापन के महत्व पर बात की।प्रो एसी पांडेय, भू-सूचना विज्ञान विभाग-सीयूजे ने पर्यावरण के अनुकूल खनन पद्धतियों को बढ़ावा देने में भू-स्थानिक तकनीकों और शैक्षणिक अनुसंधान की भूमिका पर बल दिया। एके शुक्ला ने जिम्मेदार खनन और प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन की आवश्यकता पर जोर दिया, वहीं सीमा सिंह और र-ाकेश लाल ने पारिस्थितिक पुनर्स्थापन में सामुदायिक भागीदारी के महत्व को रेखांकित किया। प्रो बिजॉय सिंह ने सतत विकास के लिए शिक्षा जगत, उद्योग और नीति-निमार्ताओं के बीच सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ एनपी शुक्ला ने विज्ञान भारती के दृष्टिकोण व वैज्ञानिक चेतना और स्वदेशी ज्ञान को बढ़ावा देने के इसके प्रयासों के बारे में जानकारी दी। प्रो सुकुमार मिश्रा, निदेशक, आईआईटी (आ-ईएसएम) धनबाद व संगोष्ठी के अध्यक्ष और प्रो अरविंद कुमार मिश्रा, निदेशक, सीआईएमएफआर धनबाद व संगोष्ठी के

सह-अध्यक्ष ने कार्यक्रम की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। सीयूजे के कुलपति प्रो. सारंग मेढेकर ने पर्यावरणीय सततता से जुड़े अनुसंधान और संवाद को आगे बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता दोहराई। रोशनी खलखो ने सतत शहरी एवं क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील शासन व्यवस्था की आवश्यकता पर बल दिया।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

डीसी एसएसपी ने थानों को सौंपे आधुनिक वाहन

दोनों अधिकारियों ने हरी झडी दिखाकर किया रवाना

शहर से लकेर ग्रमीण क्षेत्रों तक मजबतू होगी कानून - व्यवस्था

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः डीसी-एसएसपी ने सोमवार को जिले के विभिन्न थानों को आधुनिक वाहन सौंपे। कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार की ओर से धनबाद पुलिस को 40 महिन्द्रा बोलेरो वाहनों दिए गए हैं। सोमवार को पुलिस लाइन से उपायुक्त आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना किया। उपायुक्त ने कहा कि धनबाद पुलिस के बेड़े में नए वाहनों के शामिल होने से पुलिस की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। शहर के साथ-साथ सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में भी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। जिला प्रशासन द्वारा पुलिस को आवश्यक संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं ताकि जिले में बेहतर कानून-व्यवस्था कायम रखी जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि जिले के प्रमुख चौक-चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना पर तेजी से काम चल रहा है। दुर्गा पूजा से पहले इन्हें स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा राज्य के सभी जिलों को नए वाहन आवंटित किए गए हैं। इसी क्रम में धनबाद को 40 बोलेरो वाहन प्राप्त हुए हैं, जिन्हें विभिन्न थाना और अंचल कार्यालयों में तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त धनबाद पुलिस को 45 अपाचे मोटरसाइकिल भी उपलब्ध कराई गई हैं, जिनका उपयोग विशेष रूप से गश्त और त्वरित कार्रवाई के लिए किया जाएगा। एसएसपी ने कहा कि सभी वाहनों के सही संचालन और रखरखाव के लिए संबंधित पदाधिकारियों और वाहन चालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि इन वाहनों के माध्यम से पुलिस की पेट्रोलिंग और भी प्रभावी होगी, जिससे आम लोगों में सुरक्षा का भाव मजबूत होगा। किसी भी घटना या सूचना पर त्वरित कार्रवाई करने और जरूरतमंदों तक शीघ्र मदद पहुंचाने में भी इन वाहनों से काफी सहूलियत मिलेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले वित्तीय वर्ष में भी धनबाद पुलिस को और नए वाहन मिलने की संभावना है, जिससे पुलिस व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सकेगा। इन थाना और पुलिस अंचल कार्यालयों को मिले वाहन की संख्या राजगंज थाना 1, तोपचाँची थाना 1, बाघमारा थाना 1, हरिहरपुर थाना 1, कतरास थाना 1, निरसा थाना 1, पंचेत ओपी 1, टुण्डी थाना 1, पूर्वी टुण्डी थाना 1, पुलिस केन्द्र, धनबाद 1, गोविन्दपुर अंचल 1, जोड़ापोखर अंचल 1, सिन्दरी अंचल 1, केन्दुआडीह अंचल 1, कतरास अंचल 1, तोपचाँची अंचल 1, निरसा अंचल 1, महुदा अंचल 1, टुण्डी अंचल 1, चिरकुण्डा थाना 1, धनबाद थाना 2, सरायढेला थाना 2, बैंकमोड़ थाना 1, धनसार थाना 1, भूली ओपी 1, गोविन्दपुर थाना 1, बरवाअड्डा थाना 1, जोड़ापोखर थाना 1, झरिया थाना 1, बलियापुर थाना 1, पुटकी थाना 1, केन्दुआडीह थाना 1, जोगता थाना 1, लोयाबाद थाना 1, महुदा थाना 1, मधुबन थाना 1, तेतुलमारी थाना 1, बरोरा थाना को 1 वाहन प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी , नगर आयुक्त आशीष गंगवार, सिटी एसपी ऋतविक श्रीवास्तव, एसडीएम लोकेश बारांगे, डीएसपी मुख्यालय धीरेन्द्र नारायण बंका, एसडीपीओ बाघमारा पुरुषोत्तम कुमार सिंह, डीएसपी साइबर संजीव कुमार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी और जवान उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

भारत की संस्कृति को जानने और समझने का एक अच्छा प्रयास है यह आयोजन : डीसी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः पीएमश्री योजना से जिला स्तरीय एफएलएन मेला सह सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम का आयोजन टाउन हॉल में किया गया। इस कार्यक्रम में 14 पीएम श्री विद्यालयों के 750 सौ बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में डीसी आदित्य रंजन ने किया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी भी मौजूद थे। मेला का आयोजन विद्यालय स्तर पर पहले ही किया जा चुका है, विद्यालय स्तर से चुने गए सर्वश्रेष्ठ मॉडल को जिला स्तर पर प्रदर्शित किया गया। पीएम श्री विवेकानंद सेवा आश्रम मध्य विद्यालय टुंडी को प्रथम पुरस्कार, उत्क्रमित उच्च विद्यालय डांगेपारा को द्वितीय पुरस्कार तथा उत्क्रमित उच्च विद्यालय दुमदुमी को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत सभी विद्यालयों को एक-एक राज्य आवंटित किया गया था, इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बलियापुर को बिहार की सभ्यता संस्कृति प्रस्तुत करने पर, द्वितीय स्थान पीएम श्री आदर्श मध्य विद्यालय राजगंज को बंगाल की सभ्यता संस्कृति बहुत प्रस्तुत करने पर तथा तृतीय पुरस्कार पीएम श्री पार्षद मध्य विद्यालय केसरकुराल को गोवा की सभ्यता संस्कृति प्रस्तुत करने पर मिला। डीसी ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा यह अच्छा मंच है, बच्चों को और आगे बढ़ना चाहिए और खेल-खेल में सीखने के क्रम को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। सांस्कृतिक कार्यक्रम के विषय में उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति को जानने और समझने का एक अच्छा प्रयास है। इसका संपूर्ण उपयोग किया जाना चाहिए। जिला परिषद अध्यक्ष ' शारदा सिंह ने कहा कि दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। पीएम श्री योजना ने उन्हें एक बहुत अच्छा मंच प्रदान किया है। एफएलएन मेला के टीएलएम को देखकर उन्होंने प्रसन्नता और संतोष व्यक्त किया। जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा ने सभी बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि यह आरंभ है इसी प्रकार आगे बढ़ते जाना है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से बच्चों के आत्मविश्वास में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। उन्होंने इसके लिए अपनी पूरी टीम शिक्षकों और छात्रों का धन्यवाद भी किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी अशोक कुमार पांडे ने किया। इस अवसर पर झारखंड शिक्षा परियोजना के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

पेयजल संकट वाले इलाकों में होगी टैंकरों से पानी की सप्लाई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादःगर्मियों में पेयजल संकट की स्थिति से निबटने की जिला प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। सोमवार को डीसी की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि पेयजल संकट वाले इलाकों में टैंकरों से पानी की सप्लाई के जाय। समाहरणालय के सभागार में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित की गई। गर्मी में आम जनों को पानी का संकट नहीं हो, इसके लिए उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को प्रखंड में एक टीम रखने का निर्देश दिया। साथ में मुखिया एवं पंचायत सचिव के साथ बैठक कर छोटी खराबी को स्थानीय मिस्त्री से संपर्क कर उसे ठीक करने का भी निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि गर्मी में हर पंचायत सचिवालय में एक पानी का टैंकर अनिवार्य रूप से उपलब्ध रखे। जहां पानी का संकट उत्पन्न होगा वहां टैंकर से पानी की सप्लाई सुनिश्चित करें। यह व्यवस्था शहरी एवं ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों में लागू रहेगी। इसके अलावा उन्होंने मौजूदा जल स्त्रोतों को बेहतर करने, पाइपलाइन इत्यादि को दुरुस्त रखने का भी निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, पीएचईडी 1 के कार्यपालक अभियंता रंजीत कुमार, पीएचईडी 2 के कार्यपालक अभियंता मुकेश कुमार मंडल, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी मौजूद थे।

मुकुंदा में चल रहे श्री श्री 108 श्री अखंड हरि कीर्तन हर्षोल्लास के साथ संपन्न

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः तिसरा क्षेत्र के मुकुंदा में चल रहे श्री श्री 108 श्री अखंड हरि कीर्तन का समापन सोमवार को कुंज भंग के साथ संपन्न हुआ। कीर्तन का बीते 4 मार्च से चल रहा था,जहां कोलकाता पश्चिम बंगाल से आए चंद्रावती राय ने बांग्ला एवं हिंदी भाषा में हरि नाम हरि कीर्तन के साथ कार्यक्रम का समापन कराया। मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता घनश्याम ग्रोवर ने कीर्तन में जाकर माथा टेक कर आशीर्वाद लिया। कमेटी कि ओर से उन्हें सम्मानित किया गया। चंद्रावती राय ने छोटे-छोटे गैया छोटे छोटे ग्वाल छोटे से मेरे मदन गोपाल, हरे कृष्णा हरे कृष्णा कृष्णा कृष्णा हरे हरे, हरे राम हरे राम हरे राम हरे राम ,राम राम हरे हरे आदि गीतों के साथ कीर्तन में आए श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुषों नव कीर्तन का आनंद लिया।राधा कृष्ण के रासलीला के साथ कई तरह कि झांकी भी निकाली गई थी।मौके पर कमेटी के सचिव नरेश महतो ने कहा कि 106 वर्षों से कीर्तन होता आ रहा है, कीर्तन होने से सुख शांति रहती है। किसी भी प्रकार कि संक्रामक बीमारी गांव में नहीं होती है, लोग खुशहाल रहते हैं,जो भी लोग यहां आते हैं प्रभु उनकी मनोकामना पूर्ण करते हैं। जिला ही नहीं दूसरे राज्य से भी लोग कीर्तन सुनने आए थे। कीर्तन संपन्न करने के लिए उन्होंने पूरे कमेटी के लोग एवं ग्राम वासियों को धन्यवाद दिया और कहा कि सब के सहयोग से ही इतना बड़ा योग संभव हो सका है।हमारे पूर्वज इस कीर्तन को करते आ रहे हैं उन्हें परंपरा को हम लोग निभा रहे हैं।

बेहतर शैक्षणिक वातावरण की शिक्षकों को दी गई ट्रेनिंग

बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने और विद्यालय व्यवस्था सधुारने के भी दिए गए टिप्स

नो कास्टँझलो कास्टँ गतिविधियों से विद्यालय को बहेतर बनाने के बताये गए तरीके

पालॅीटेक्निक मंे आयोजित प्रशिक्षण में बड़ी सख्ंया में शिक्षक हएु शामिल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः सरकारी स्कूल के शिक्षकों को बेहतर शैक्षणिक माहौल बनाने की सोमवार को ट्रेनिंग दी गई। नो कॉस्ट - लो कॉस्ट की गतिविधियों से स्कूल के वातावरण को और बेहतर बनाने के गुर भी बताए गए। बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के टिप्स भी दिए गए। ट्रेनिंग पॉलीटेक्निक परिसर में आयोजित थी। इसमें बड़ी संख्या में शिक्षकों ने भागीदारी की। डीसी आदित्य रंजन की पहल पर शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने तथा बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के उद्देश्य से पॉलीटेक्निक परिसर में विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों और प्रधानाध्यापक के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यालय की व्यवस्था को बेहतर बनाने, बच्चों को स्कूल आने के लिए प्रेरित करने तथा शिक्षण वातावरण को सकारात्मक बनाने के विभिन्न उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। शिक्षकों को बताया गया कि विद्यालय में आने वाले बच्चों का स्वागत करना, उनका जन्मदिन मनाना तथा विद्यालय में अपनापन का माहौल बनाना बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने में सहायक होगा। प्रशिक्षण में नो कॉस्ट झ लो कॉस्ट गतिविधियों पर विशेष जोर दिया गया। इसके लिए शिक्षकों को एक विशेष फॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा, जिसके आधार पर विद्यालयों का आकलन किया जाएगा। जिले के लगभग 1700 विद्यालयों का मूल्यांकन किया जाएगा तथा जिन विद्यालयों को 90 से अधिक अंक प्राप्त होंगे उन्हें हाई असेसमेंट की श्रेणी में रखा जाएगा। शिक्षकों को जिम्मेवारी पंजी रखने का भी निर्देश दिया गया, जिसमें विद्यालय से संबंधित सभी गतिविधियों एवं कार्यों का रिकॉर्ड संधारित किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि प्रशिक्षण के लगभग दो महीने बाद विद्यालयों का एक सर्वे कराया जाएगा। सर्वे के दौरान नो कॉस्ट झ लो कॉस्ट फॉर्म के आधार पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और उन्हें आगे और बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। मौके पर जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार, डीएमएफटी पीएमयू की टीम, तथा शिक्षक मौजूद थे।

झारखंड खोरठा साहित्यकार स्व. विश्वनाथ नागर की प्रथम पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः झारखंड आंदोलनकारी स्वर्गीय विश्वनाथ प्रसाद नगार का प्रथम पुण्यतिथि भूदा स्थित इंद्रालय विवाह वाटिका में मनाई गई।कार्यक्रम की शुरूआत सर्व प्रथम स्व नागर जी के छायाचित्र पर पुत्र एवं पुत्र वधू सुभाष चंद्र नागर एवं श्रीमती रीता देवी और पोत्र राहुल नागर ने माल्यार्पण कर की।श्रद्धांजलि सभा में कई जिलों से साहित्यकारों,एवं बुद्धिजीवियों ने दिवंगत आत्मा को पुष्प अर्पित कर नम आंखों से उन्हें याद किया ।श्रद्धांजलि सभा में आये सभी साहित्यकारों ने कहा की स्व. नागर जी का निधन से खोरठा एवं साहित्य जगत को एक अपूरणीय क्षति हुई है। लेकिन उनके द्वारा लिखी गई किताबें आज भी समाज को मार्गदर्शन कर रही है। साहित्यकारों ने कहा की उनकी लेखनी में समाज के अंतिम व्यक्ति की वेदना और मानवीय संवेदना का जीवंत चित्रण मिलता है।सभी साहित्यकार ने उनकी प्रसिद्ध कविताओं का पाठ किया और उनके साथ बिताए पलों का साझा किया। श्रद्धांजलि सभा में लुहाठी पत्रिका के संपादक गिरधारी गोस्वामी,आकाश खूंटी,फुनगी खोरठा बाल पत्रिका के संपादक श्याम सुंदर केवट,तितकी पत्रिका के संपादक शांति भारत,लोक गायक सुकुमार एवं धारा के संयोजक जीवन जगन्नाथ,पारस फूल के संपादक महेंद्र प्रबुद्ध,प्रयाग महतो,प्रवीण कुमार,कवित्री मीनाक्षी राय प्राजिता शामिल थे।श्रद्धांजलि सभा में अजय रवानी जिला उपाध्यक्ष झामुमो धनबाद, झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन जोनल सदस्य मौजूद थे।अजय रवानी ने कहा कि विश्वनाथ नागर झारखंड के प्रख्यात खोरठा सहितकार एवं झारखंड आंदोलन के अलग राज्य में अपनी भूमिकाएं निभाई वह स्वर्गीय शिबू सोरेन , स्वर्गीय विनोद बिहारी महतो कामरेड एके राय के साथ झारखंड आंदोलन में अनेकों जगह साथ में कार्य किए हैं।वे झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक सदस्य भी थे। आज के युवाओं को प्रेरणा लेने की जरूरत है। इस कार्यक्रम में उपस्थित झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के जनरल अध्यक्ष उमाशंकर चौहान , झामुमो नेता बाघमारा प्रखंड अध्यक्ष धीरेंद्र रवानी , शिक्षक विकास रवानी , बंटी विश्वकर्मा, राजेश राम, वार्ड पार्षद उपेंद्र कुमार,अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के जिला अध्यक्ष विनोद रवानी, सहित चंद्रवंशी समाज के महिला एवं समाजसेवी उपस्थित थे।

सिंदरी थाना को मिली बड़ी सफलता, दो मोटरसाइकिल चोरों को रंगे हाथ पकड़ा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धानाबाद: सिंदरी थाना को बड़ी सफलता हाथ लगी जब गश्ती के दौरान दो मोटरसाइकिल चोरों को रंगे हाथ पकड़ा। रविवार सुबह लगभग 2.30 बजे सिंदरी थाने के एसआई मुकेश हेंब्रम के नेतृत्व में गश्ती दल ने मनोहरटांड़ सिंह बस्ती में बिना नंबर की पैशन प्रो मोटरसाइकिल के साथ दो युवकों को पकड़ा। पुलिस को देखकर दोनों युवक भागने का प्रयास करने लगे लेकिन गश्ती दल ने उन्हें खदेड़कर पकड़ लिया। पुलिस द्वारा जांच करने पर एसआई विनोद टोप्पो ने पाया कि मोटरसाइकिल चोरी की है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान रवि राणा (25 वर्ष) पिता नामराज राणा, पता

आरएम फोर और रेनबो क्लब के पास क्रेशर, बस्ती रांगामाटी, थाना बलियापुर, तथा सुजीत तिवारी उम्र करीब (21 वर्ष), पिता नवीन तिवारी पता आरएमएल 2-52 रांगामाटी, थाना - बलियापुर के रूप में हुई है। सिंदरी थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई के लिए धनबाद जेल में भेज दिया गया है।

आदिवासी बच्ची समेत 06 नाबालिग बच्चे को मानव तस्करों से बचाया गया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद रेलवे स्टेशन से छह बच्चों को मानव तस्करों के चंगुल से बचाया गया। मानव तस्करी के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। चाइल्ड ट्रेफिकिंग रोक पर कार्यरत संस्था झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट एवं जस्ट राईट फॉर चिल्ड्रेन की शिकायत पर सोमवार को रेलवे स्टेशन धनबाद में वास्को डिगामा सप्ताहिकी ट्रेन से सभी की बरामदगी हुई है। जिसमे चार आदिवासी बालिका भी शामिल हैं। झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के निदेशक शंकर रवानी को सूचना पर यह कार्रवाई की गई। सूचना मिली थी कि ट्रेन नंबर 17322वास्को डिगामा सप्ताहिकी एक्सप्रेस ट् से 06बच्चों को दूसरे राज्यों में मजदूरी के लिए ले जाया जा रहा है, इस पर तुरंत कारवाई करते हुए रेलवे पुलिस पुलिस के बरामदगी की। जैसे ही ट्रेन धनबाद रेलवे स्टेशन पहुंची जीआरपी,आर पी एफ, चाइल्ड लाइन,एवं झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संयुक्त रूप से सर्च अभियान चलाकर 06 बच्चों का रेस्क्यू किया गया। जिसमे चार आदिवासी बच्ची भी शामिल है। सभी बच्चे साहेबगंज जिला के बताये जा रहे हैं। चार मानव तस्कर मनोज चोड़े, उफना टुडू,सन्याल यादव, लक्ष्मण सुजहर शामिल को भी गिरफ्तार किया गया है। सभी को रेल थाना मे खा गया है पूछताछ में पता चला कि वे जसीडीह स्टेशन से ट्रेन में सवार हुए थे और उन्हें काम के बहाने ले जाया जा रहा था।बाल अधिकार कार्यकर्ता एवं झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के निदेशक शंकर रवानी ने कहा कि आये दिन वास्को डिगामा स्पेशल ट्रेन से बच्चों की ट्रेफिकिंग की शिकायत मिलते रहती है।

भाकपा-माले ने गैस, तेल की किल्लत के खिलाफ कतरास में निकाला प्रतिवाद मार्च

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः भाकपा-माले कतरास कार्यालय से थाना चौक तक प्रतिवाद मार्च निकाला गया। भाकपा-माले कार्यकताओं ने मोदी सरकार मुदार्बाद, गैस तेल की व्यवस्था करो, खेती और किसानों पर हमला बंद करो,भारत को आर्थिक संकट में मत डालो, अमेरिका से नाता तोड़ो, सरकारी संपत्ति को निजी हाथी में मत दो, मोदी संसद में नहीं देश में गैस नहीं आदि नारा लगाते हुए मोदी सरकार का विरोध किया।भाकपा- माले कतरास कार्यालय में बैठक भी हुई। बैठक को संबोधित करते हुए भाकपा-माले पोलित ब्यूरो सदस्य हलधर महतो ने कहा कि देश में बहुत बड़ा आर्थिक संकट आने वाला है। देश में रसोई गैस का अभाव ने दोबारा जनता को लाइन में खड़ा करने के लिए मजबूर कर दिया है। देश के रसूखदार विदेश घूम रहे हैं और जनता गैस लेने के लिए, सरकारी अस्पताल में तथा अपने रोजमर्रा के लिए न जाने किसी न किसी लाइन में खड़ा परेशान हैं। आम जनता सरकार को भारी टैक्स तो देती है किंतु सुविधा के नाम पर उसे कुछ भी नहीं मिलता है। इसीलिए जनता को सड़क में उतरना काफी जरूरी हो गया है। 18 मार्च को भाकपा-माले द्वारा देश के प्रत्येक राज्य के राजधानी में जनसुनवाई आंदोलन किया जा रहा है। झारखंड राज्य के राजधानी रांची में भी हम सभी को 18 मार्च को जनसेवक आंदोलन में भारी संख्या के साथ मोदी सरकार का विरोध में आंदोलन को सफल बनाना है। आमसभा में चेतू साव, कपूर पंडित, मानिक महतो, चंदन महतो, रॉबिन महतो, लखपति कुम्हार,रामाश्रय सिंह कुशवाहा, शंकर महतो, शंकर प्रजापति, आकाशदीप महतो, महादेव साव, बिहारी पंडित, उमेश सिंह आदि मौजूद थे।

16-03-2026 T.P. Page 4_Layout 1 17-03-2026 07:10 Page 1

संक्षिप्त खबरें

चतरा को पीएम जन मन योजना का मिला लाभ,11 सड़कों एवं 32 पुलों के निर्माण को मंजूरी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

चतरा : चतरा लोक सभा क्षेत्र को केंद्र सरकार के प्रधानमंत्री जन मन योजना के अंतर्गत बड़ी सौगात मिली है।चतरा के सांसद काली चरण सिंह को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा पत्र के जरिए सूचित किया गया है कि चतरा लोक सभा क्षेत्र में कुल 127 करोड़ 69 लाख रुपयों की लागत से 11 सड़कों का निर्माण कराया जाएगा जिनकी कुल लंबाई 37.154 किलोमीटर है वहीं 32 पुलों के निर्माण को भी मंजूरी मिली है।

चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार जताया है। सांसद ने कहा कि उनका लगातार प्रयास क्षेत्र में बुनियादी सुविधा बहाल करना और विकास को गति देना रहा है।

गिरिडीह में कार से 972 बोतल अंग्रेजी शराब जप्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : गिरिडीह जिले के तिसरी थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक कार से 972 बॉटल अंग्रेजी शराब जब्त किया है। इसके साथ ही पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया है। खोरीमहुआ एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि पुलिस ने यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की है। गिरिडीह पचम्बा से शराब लोड कर चंदौरी होते हुए बिहार ले जाया जा रहा था।पुलिस ने जमुई के गिद्धौर थाना क्षेत्र निवासी सुमित कुमार की निशानदेही पर बरईपांट जंगल से शराब सहित कार को जब्त किया गया। गिरफ्तार आरोपी के बयान के आधार पर चार लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है।उन लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

चतरा नगर परिषद के उपाध्यक्ष बने प्रेमचंद साव, वेदवती जायसवाल को 9 वोट मिले

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

चतरा : चतरा नगर परिषद के उपाध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में वार्ड संख्या 18 के वार्ड पार्षद प्रेमचंद साव निर्वाचित हुए। उन्हें कुल 13 वोट मिले, जबकि वार्ड संख्या 11 की वार्ड पार्षद वेदवती जायसवाल को 9 वोट प्राप्त हुए। बताया गया कि उपाध्यक्ष पद के लिए इन दोनों प्रत्याशियों ने ही नामांकन किया था। मतदान के बाद मतगणना में प्रेमचंद साव को बहुमत मिलने पर उन्हें विजयी घोषित किया गया।उपाध्यक्ष चुनाव से पूर्व नवनिर्वाचित नगर परिषद अध्यक्ष अताउर रहमान उर्फ बाबू भाई व सभी 22 वार्ड पार्षदों को शपथ दिलाई गई। इसके बाद उपाध्यक्ष पद के लिए मतदान की प्रक्रिया पूरी कराई गई।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

दुमका : दुमका-रामपुरहाट मुख्य सड़क पर सोमवार को शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दोनों युवक पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रहने वाले थे और फेरी लगाकर सामान बेचने का काम करते थे। मृतक युवक हारून शेख और बबूर अली शेख पश्चिम बंगाल के बेलडंगा (मुर्शिदाबाद) के निवासी थे। दोनों युवक बाइक से रामपुरहाट की ओर जा रहे थे।इसी दौरान सरसडंगाल की ओर से दुमका की तरफ आ रहा एक हाइवा शिकारीपाड़ा के पास अचानक अनियंत्रित हो गया और सामने से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद सड़क पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी।

तीन दिवसीय राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव का हुआ शुभारंभ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : बाबा नगरी देवघर में कला, संस्कृति और भक्ति के संगम राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव का शुभारंभ सोमवार को भव्य तरीके से हो गया। स्थानीय केकेएन स्टेडियम में आयोजित इस तीन दिवसीय महोत्सव का उद्घाटन नव निर्वाचित मेयर रवि रावत, उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा पुलिस अधीक्षक सौरभ सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।महोत्सव के शुभारंभ के अवसर पर डीसी ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और देश की समृद्ध लोक कला व संस्कृति को बढ़ावा देना है। तीन दिवसीय महोत्सव के दौरान प्रत्येक दिन शाम को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति होगी, जिसमें स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ राज्य स्तरीय और बॉलीवुड के नामचीन कलाकार भी अपनी प्रस्तुति देंगे।

एक वोट के अंतर से बने आदित्यपुर नगर निगम के उप महापौर अंकुर सिंह

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर नगर निगम में सोमवार को उप महापौर पद के लिए हुए अप्रत्यक्ष चुनाव में बेहद रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुए मतदान और मतगणना के बाद नवनिर्वाचित वार्ड पार्षद अंकुर सिंह ने अपनी प्रतिद्वंद्वी अर्चना कुमारी को मात्र एक वोट के अंतर से हराकर उप महापौर पद पर जीत दर्ज की।नगर निगम के कुल 35 वार्ड पार्षदों ने चुनाव में भाग लिया। उप महापौर पद के लिए अंकुर सिंह और अर्चना कुमारी के बीच सीधा मुकाबला था। मतदान के बाद जब मतगणना हुई तो परिणाम बेहद करीबी रहा। घोषित परिणाम के अनुसार अंकुर सिंह को 18 मत प्राप्त हुए, जबकि अर्चना कुमारी को 17 मत मिले।इस तरह अंकुर सिंह ने एक वोट के मामूली अंतर से जीत हासिल करते हुए उप महापौर की कुर्सी पर कब्जा जमा लिया। अंकुर सिंह पूर्व विधायक अरविंद सिंह उर्फ मलखान सिंह के भतीजे हैं।परिणाम घोषित होते ही अंकुर सिंह के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और बधाई देकर जीत का जश्न मनाया।नगर निगम में नए उप महापौर के रूप में अंकुर सिंह के नेतृत्व में शहर के विकास कार्यों को और गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि नगर निगम क्षेत्र में विकास योजनाओं को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा।

घरेलू गैस आपूर्ति को लेकर डीसी ने की बैठक, कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिले में घरेलू एलपीजी (रसोई गैस) सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर सामने आयी शिकायतों और उपभोक्ताओं की परेशानियों के बीच सोमवार को जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त समीरा एस ने समाहरणालय सभागार में पलामू के विभिन्न गैस एजेंसियों के प्रतिनिधियों,प्रखंड आपुर्ति पदाधिकारियों संग रसोई गैस के निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित कराने को लेकर बैठक की।सर्वप्रथम डीसी ने विभिन्न गैस एजेंसियों के प्रतिनिधियों से उनके यहां उपलब्ध सिलिंडर,आगामी दिनों में प्राप्त होने वाले गैस सिलिंडर की जानकरी ली।बैठक में कुछ गैस एजेंसियों द्वारा डीसी को बताया गया कि उनके पास पूर्व की तरह ही सिलिंडर की आपुर्ति की जा रही है लेकिन विगत कुछ दिनों से उपभोक्ताओं के द्वारा अचानक बड़ी संख्या में बुकिंग आने से समस्याओं का सामना करना पड़

रहा है।बैठक में डीसी ने गैस की सप्लाई करने में होस्टल,स्कूल,आंगनबाड़ी केंद्रों एवं हॉस्पिटल को प्राथमिकता देने पर बल दिया।बैठक में डीसी ने सभी गैस एजेंसियों के प्रतिनिधियों से कहा कि घरेलू गैस आवश्यक वस्तु अधिनियम के दायरे में आती है, ऐसे में इसकी कालाबाजारी करने पर अधिनियम के तहत सख्त करवाई की जायेगी।उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडरों में टैम्परिंग करने की शिकायत पर भी कार्रवाई की जायेगी।उन्होंने गैस सिलेंडरों में टैम्परिंग तथा घरेलू सिलेंडर से गैस निकालकर व्यावसायिक सिलेंडरों में भरने की शिकायतों को गंभीर बताते हुए ऐसे मामलों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।बैठक में उपायुक्त ने सभी गैस एजेंसियों के प्रतिनिधियों से अपने निर्धारित क्षेत्रों में ही गैस की आपूर्ति करने पर बल दिया।उन्होंने कहा कि अपने निर्धारित क्षेत्र से बाहर कार्य करने पर भी कार्रवाई की जाएगी।इसके अलावे उन्होंने कहा कि सिर्फ निर्धारित दिन को ही एजेंसी बंद रखा जाये।उन्होंने एजेंसी के बाहर सार्वजनिक रूप से एजेंसी का संपर्क नंबर प्रदर्शित करने पर बल दिया।कई एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने डीसी को गैस वितरण के समय लगने वाले अनावश्यक भीड़ को रेखांकित करते हुई,निराकरण की बात कही।इसपर डीसी ने कहा कि एक क्यूआरटी का गठन किया जा रहा है जिसमें एमओ,एजेंसी के प्रतिनिधि व पुलिस के जवान रहेंगें।उन्होंने समस्या उत्पन्न होने की स्थिति में स्थानीय थाना प्रभारी, एमओ व बीडीओ से संपर्क करने की बात कही।जिले की उपायुक्त समीरा एस ने पलामू वासियों से कहा है कि पूर्व की भांति विभिन्न गैस कंपनियों द्वारा जिले को रसोई गैस की खेप उपलब्ध कराई जा रही है।ऐसे में आप सभी से अपील है कि घबराकर अनावश्यक रूप से गैस की बुकिंग करने से बचें।उन्होंने कहा कि शहर के लिए निर्धारित 25 एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 45 दिनों के बाद ही बुकिंग करें।उन्होंने कहा कि सभी उपभोक्ताओं को ससमय रसोई गैस की आपूर्ति कर दी जाएगी।उन्होंने पलामूवासियों से अपील की है कि वे गैस कंपनियों और प्रशासन के निदेशों का पालन करें,ताकि पलामू में रसोई गैस की उपलब्धता सुचारू रूप से बनी रहे।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन,अपर समाहर्ता कुंदन कुमार,विभिन्न एमओ व गैस एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।वहीं वर्चुअल मोड से आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल के मार्केटिंग ऑफिसर एवं एरिया ऑफीसर भी जुड़े रहे।

डीसी ने डीईजीएस व ई-गवर्नेंस कार्यों की समीक्षा की,आई-रेड पोर्टल में एंट्री नहीं होने पर जताई नाराजगी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में डीईजीएस,ई-ऑफिस, यूआईडी-एआई,एनआईसी एवं आधार से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की बिंदुवार समीक्षा की।समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले के सभी प्रखंडों में आधार केंद्र सुचारू रूप से संचालित हो रहे हैं।वहीं जिला मुख्यालय स्थित नूतन केंद्र में संचालित आधार केंद्र को भी तकनीकी रूप से सुदृढ़ कर लिया गया है।बैठक में सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित समीक्षा के दौरान पाया गया कि जिले में होने वाली दुर्घटनाओं की एंट्री इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डाटाबेस (आई-रेड) में नहीं की जा रही है।इस पर उपायुक्त ने नाराजगी जताते हुए स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि को इसके लिए नोडल पदाधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि एमएमसीएच

सहित किसी भी सीएचसी में आई-रेड पोर्टल में एंट्री नहीं की जा रही है,जबकि जिला सड़क सुरक्षा समिति द्वारा सड़क दुर्घटनाओं का प्रतिवेदन तैयार किया जाता है।ऐसे में पोर्टल में एंट्री नहीं होना चिंताजनक है।उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि अगली सड़क सुरक्षा समिति या डीईजीएस की बैठक में भी यही स्थिति रही तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि एंट्री से संबंधित स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, इसके बावजूद कार्य नहीं होना गंभीर मामला है।समीक्षा में यह भी पाया गया कि कुछ निजी अस्पतालों द्वारा पोर्टल में एंट्री की जा रही है,लेकिन एमएमसीएच और सीएचसी इस कार्य में रुचि नहीं ले रहे हैं।बैठक में उपायुक्त ने झारसेवा के तहत जारी होने वाले सभी प्रकार के प्रमाणपत्रों का निर्धारित समय सीमा में निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।साथ ही ई-ग्रंथालय,आई-रेड समेत अन्य बिंदुओं पर भी समीक्षा की गई।इस अवसर पर जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी रणवीर सिंह, डीईओ, डीएसई, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर पंकज पांडेय, यूआईडी के डीपीओ सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

विश्रामपुर नगर परिषदः नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं सभी वार्ड पार्षदों ने लिया शपथ,उपायुक्त ने सभी को पद और गोपनीयता की दिलायी शपथ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : नगर पालिका (आम) निर्वाचन के निमित्त सोमवार को विश्रामपुर प्रखंड कार्यालय के सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)- सह- उपायुक्त समीरा एस के द्वारा विश्रामपुर नगर परिषद के निर्वाचित अध्यक्ष गीता देवी और 20 वार्ड के पार्षदों को पद और गोपनीयता की शपथ ग्रहण करायी।उपायुक्त ने नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि विश्रामपुर नगर परिषद के विकास और नागरिकों की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देते हुए सभी प्रतिनिधि निष्पक्षता और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।उन्होंने विश्रामपुर अंतर्गत विकास योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन को लेकर स्थानीय नगर प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करने की बात कही।मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी रतन सिंह,सीओ राकेश तिवारी समेत अन्य मौजूद रहे।अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों के शपथ ग्रहण के पश्चात उपाध्यक्ष निर्वाचन की प्रक्रिया संपन्न करवायी गयी।

कपाली नगर परिषद को मिला नया उपाध्यक्ष, मो सबान 12 वोट से विजयी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : कपाली नगर परिषद के उपाध्यक्ष पद के लिए सोमवार को चांडिल अनुमंडल कार्यालय में चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।यह चुनाव निवार्ची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी विकास कुमार राय की उपस्थिति में कराया गया।उपाध्यक्ष पद के लिए दो उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें मो सबान और मो हफीजुद्दीन शामिल थे। कपाली नगर परिषद के कुल 21 वार्ड पार्षदों ने मतदान में भाग लिया। मतदान के बाद हुई मतगणना में मो सबान को 12 वोट प्राप्त हुए, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी मो हफीजुद्दीन को 9 वोट मिले।

जल महोत्सव पखवाड़ा के तहत जल आकलन रिपोर्ट की डीसी ने की समीक्षा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस ने सोमवार को अपने कार्यालय कक्ष में जल महोत्सव पखवाड़ा के अंतर्गत कराए गए जल आकलन से संबंधित प्रतिवेदन की समीक्षा की। बैठक में पलामू जिले के 19 पंचायतों से प्राप्त रिपोर्ट पर विस्तार से चर्चा की गई।इस दौरान उपायुक्त ने जिला जल एवं स्वच्छता समिति (डीडब्ल्यूएसी)के सदस्यों को निर्देश दिया कि जिन पंचायतों के अंतर्गत आने वाले स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं घरों में फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (एफएचटीसी) की व्यवस्था नहीं है, उसकी जानकारी कार्यपालक अभियंता,पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को उपलब्ध कराई जाए, ताकि वहां शीघ्र शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।उन्होंने कार्यपालक अभियंता को जल अर्पण दिवस मनाने वाले गांवों के लिए यूजर आईडी तैयार करने का निर्देश दिया साथ ही पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जल अर्पण दिवस का आयोजन सुनिश्चित करने को कहा।उपायुक्त ने जल महोत्सव पखवाड़ा के दौरान उपलब्ध कराए गए बजट के अनुसार राशि का समुचित उपयोग करने का भी निर्देश दिया।बैठक में स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि,जिला शिक्षा अधीक्षक,जिला शिक्षा पदाधिकारी,जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा आईईसी एवं एसएलडब्ल्यूएम के जिला समन्वयक सहित जिला जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्य उपस्थित थे।

आदित्यपुर पुलिस ने हथियार व कारतूस के साथ चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक संभावित आपराधिक घटना को टालते हुए चार लोगों को हथियार और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक देशी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। साथ ही जिस ऑटो में सवार होकर आरोपी घूम रहे थे, उसे भी जब्त कर लिया गया है।सोमवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) ने प्रेस वार्ता में बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग हथियार के साथ किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही वरीय

अधिकारियों को अवगत कराया गया और एसडीपीओ के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया।पुलिस टीम ने जयप्रकाश उद्यान के समीप छापेमारी की। इसी दौरान एक नीले रंग के ऑटो में चार संदिग्ध व्यक्ति बैठे दिखाई दिए। पुलिस को देखते ही सभी भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन सशस्त्र बल की सहायता से उन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया गया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धीरज कुमार उर्फ छोटू साव, शेखर कुमार उर्फ पप्पू यादव, शिवा कुमार और वी. रमेश आनंद के रूप में हुई है। सभी आरोपी आदित्यपुर-1 क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं।तलाशी के दौरान धीरज कुमार उर्फ छोटू साव के पास से एक देशी कट्टा और शेखर कुमार उर्फ पप्पू यादव के पास से 8 एमएम के तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपियों के ऑटो को भी जब्त कर लिया है।पुलिस ने इस मामले में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।छापेमारी दल में थाना प्रभारी विनोद तिर्की, सुनील कुमार सिंह, महेश उरांव, धर्मराज कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

रामनवमी को लेकर बैठक, मुख्य मंच के अलावा जुलूस एंट्रेंस पॉइंट पर भी दिखेगा मंच

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : हजारीबाग का ऐतिहासिक रामनवमी पर्व शांति उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हो इसे लेकर जिला प्रशासन ने शांति समिति की बैठक विभिन्न अखाड़े के सदस्य और समाज के गणमान्य लोगों के साथ किया है।बैठक के दौरान विभिन्न अखाड़े के सदस्यों ने रामनवमी के दौरान जो उत्पन्न समस्या से जिला प्रशासन को अवगत कराया।जिला प्रशासन को बताया गया कि सड़क मरम्मत का काम अब तक नहीं हुआ है। पोल में तार लटकी हुई है उसे दुरुस्त किया जाए।साथ ही सुरक्षा को लेकर व्यापक इंतजाम किया जाए।उपायुक्त ने हजारीबाग वासियों को अस्वस्थ किया कि रामनवमी को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किया है।आम जनता की सहभागिता सुनिश्चित हो यह प्रशासन

चाहता है।धूमधाम के साथ पर्व मनाए लेकिन कानून तोड़ने का अधिकार किसी को नहीं है।हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि शांति समिति की बैठक में सभी अखाड़ों के सदस्यों ने हिस्सा लिया।सभी ने विश्वास दिलाया है कि संयमित होकर पर्व मनाया जाएगा।सुरक्षा के मद्देनजर व्यापक इंतजाम किया जा रहा है।अतिरिक्त सुरक्षा बल पूरे जिले में देखने को मिलेगा।शहर से लेकर गांव तक सुरक्षा का व्यापक इंतजाम किया जा रहा है।इस बार मुख्य मंच जो जमा मस्जिद चौक के निकट बनता है।इसके अलावे भी जुलूस के प्रवेश मार्ग पॉइंट में भी मंच बनाया जाएगा ताकि सभी अखाड़े पर निगरानी रखा जा सके।महासमिति अध्यक्ष करण यादव ने बताया कि जिला प्रशासन के साथ पूरा अखाड़ा है। भव्यता के साथ पर्व मनाया जाएगा।

धरना के कारण सड़क जाम पर हाईकोर्ट सख्त, सरकार से मांगा जवाब

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने विधानसभा और नए हाईकोर्ट परिसर की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पर धरना-प्रदर्शन के कारण होने वाली यातायात समस्या को गंभीरता से लिया है। इस संबंध में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस महेश शरद चंद्र सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि किसी भी प्रकार के प्रोटेस्ट के कारण सड़क जाम नहीं होना चाहिए और लोगों के आवागमन में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि आम लोगों को आने-जाने में कठिनाई न हो।याचिकाकर्ता संस्था साइन सिटी की ओर से अदालत को बताया गया कि योगदा सत्संग महाविद्यालय परिसर के बगल में साइन सिटी और अन्य समितियों की ओर जाने वाले रास्ते के पास सरकार द्वारा बैरिकेडिंग कर दी गई है।इसके कारण विधानसभा की ओर जाने वाले प्रदर्शनकारी उसी स्थान पर धरना देने लगते हैं, जिससे साइन सिटी जाने वाला रास्ता बंद हो जाता है और जाम की स्थिति बन जाती है। याचिका में यह भी कहा गया कि इस सड़क से हाईकोर्ट और विधानसभा जाने वाले लोगों को भी काफी परेशानी होती है। इसलिए, धरना स्थल को किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की गई है। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि सरकार पूरे मामले की जांच कर अदालत में जवाब दाखिल करेगी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता रितु कुमार ने पक्ष रखा।

संक्षिप्त खबरें

बंधुआ-टनकुप्पा रेलखंड पर ब्लॉक से रुकीं इंटरसिटी, यात्रियों को झेलनी पड़ी परेशानी

गया जी (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के गया-धनबाद रेल सेक्शन के बंधुआ और टनकुप्पा स्टेशनों के बीच रेल ट्रैक की मरम्मत के कारण सोमवार को ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहा। इस दौरान सासाराम-गया-धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस को करीब डेढ़ घंटे से अधिक समय तक विभिन्न स्थानों पर रोकना पड़ा जिससे यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बताया गया कि रेल प्रशासन द्वारा ट्रैक में मरम्मत कार्य के लिए शाम पांच बजे से साढ़े सात बजे तक ब्लॉक लिया गया था। इस दौरान डाउन लाइन पर ट्रेनों का संचालन बाधित रहा। सासाराम-गया-धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस को बंधुआ स्टेशन, टनकुप्पा होम सिग्नल और टनकुप्पा स्टेशन पर अलग-अलग स्थानों पर रोक दिया गया। अचानक ट्रेन के लंबे समय तक खड़े रहने से यात्रियों में असमंजस की स्थिति बनी रही और कई यात्रियों ने रेल कर्मियों से जानकारी लेने की कोशिश की।

ब्लॉक के कारण इस रेलखंड पर ट्रेनों की रफ्तार थम गई और कई यात्री अपने गंतव्य तक पहुंचने में देरी से पहुंचे। हालांकि निर्धारित समय तक मरम्मत कार्य पूरा कर लिया गया। ब्लॉक समाप्त होने के बाद शाम साढ़े सात बजे के बाद ट्रेनों का परिचालन फिर से सामान्य किया गया। इसके बाद धीरे-धीरे ट्रेनों को आगे के लिए रवाना किया गया और स्थिति सामान्य हो सकी।

राज्यसभा की पांचों सीटें एनडीए के खाते में जाना ,विश्वास की जीतः मुमताज

पांचों सीट पर एनडीए की जीत पर कार्यकताओं में हर्ष

गया जी (एजेंसी) : राज्यसभा की पांच सीटों के लिए सोमवार को हुए मतदान में सभी सीटों पर एनडीए उम्मीदवारों की जीत हुई। परिणाम आने के बाद एनडीए समर्थकों और कार्यकताओं में खुशी का माहौल देखा गया। इसे विकास और विश्वास की जीत बताया जा रहा है। कार्यकर्ता मो. मुमताज ने कहा कि यह जीत देश और राज्य में हो रहे विकास कार्यों पर जनता के विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने लगातार जनहित में काम किया है, जिसका परिणाम चुनाव में देखने को मिला है। उन्होंने इस जीत पर खुशी जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी सहित एनडीए के सभी घटक दलों को साधुवाद दिया।

राज्यसभा चुनाव में एनडीए के उम्मीदवारों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, रामनाथ ठाकुर,उपेंद्र कुशवाहा व जीवेश राम को जीत मिली है। इस जीत के बाद एनडीए कार्यकताओं ने एक-दूसरे को बधाई दी और खुशी जाहिर की। हर्ष जताने वालों में नवीन कुमार सिंह,संजय प्रजापति, अरुण कुमार मेडिको, ऋषि कुमार, मुक्तिनाथ शांडिल्य आदि

कार्यकताओं का कहना है कि एनडीए की नीतियों और विकास कार्यों के कारण जनता का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। यही कारण है कि राज्यसभा चुनाव में भी एनडीए को पूर्ण सफलता मिली है।

फतेहपुर सीओ हड़ताल पर, टनकुप्पा सीओ को मिला अंचल का अतिरिक्त प्रभार

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर अंचल अधिकारी अमिता सिंहा के अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहने के कारण जिला प्रशासन के निर्देश पर टनकुप्पा के अंचल अधिकारी ओमप्रकाश भगत को फतेहपुर अंचल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। फतेहपुर अंचल के कार्यों के संचालन के लिए प्रशासन ने यह वैकल्पिक व्यवस्था की है। बताया जाता है कि राजस्व से जुड़े अधिकारियों की चल रही हड़ताल के कारण अंचल कार्यालयों में कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इसे देखते हुए प्रशासन ने आम लोगों की समस्याओं के समाधान तथा जरूरी सरकारी कार्यों के निष्पादन के लिए यह निर्णय लिया है। टनकुप्पा सीओ अब फतेहपुर अंचल के राजस्व से संबंधित कार्यों की निगरानी करेंगे। भूमि संबंधी मामलों, दाखिल-खारिज, जाति-आय-निवास प्रमाण पत्र सहित अन्य जरूरी कार्यों के लिए लोगों को फिलहाल इसी व्यवस्था के तहत सुविधा दी जाएगी। प्रशासन ने लोगों से धैर्य बनाए रखने और आवश्यक कार्यों के लिए अंचल कार्यालय से संपर्क करने की अपील की है।

चैत्र नवरात्रि पर विंध्याचल व इन्द्रगढ़ स्टेशनों पर 01-01 जोड़ी ट्रेनों का दिया गया अस्थायी ठहराव

हाजीपुर (एजेंसी) : चैत्र नवरात्रि मेला के अवसर पर रेलवे प्रशासन द्वारा श्रद्धालु यात्रियों सुविधा के मद्देनजर गाड़ी सं. 12141/42 लोकमान्य तिलक-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस का प्रयागराज मंडल के विंध्याचल स्टेशन पर तथा गाड़ी सं. 19037/38 बांद्रा टर्मिनस-बरौनी एक्सप्रेस का कोटा मंडल के इन्द्रगढ़ स्टेशन पर 02 मिनट का अस्थाई ठहराव प्रदान किया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है।

1. गाड़ी सं. 12141 लोकमान्य तिलक-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस 19 मार्च से 02 अप्रैल, 2026 तक 22.30 बजे विंध्याचल पहुँच कर 22.32 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी।

2. गाड़ी सं. 12142 पाटलिपुत्र-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस 19 मार्च से 02 अप्रैल,2026 तक 16.05 बजे विंध्याचल पहुँच कर 16.07 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी।3. बांद्रा टमिनस से 15 मार्च से 29 मार्च, 2026 तक खुलने वाली 19037 बांद्रा टर्मिनस-बरौनी एक्सप्रेस 13.35 बजे इन्द्रगढ़ स्टेशन पहुँच कर 13.37 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी।4. बरौनी से 15 मार्च से 29 मार्च, 2026 तक खुलने वाली 19038 बरौनी-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस 11.08 बजे इन्द्रगढ़ स्टेशन पहुँच कर 11.10 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी।

मुजफ्फरपुर से सीवान के कुख्यात अपराधी अयूब खान गिरफ्तार, 46 मामले दर्ज

सीवान, (एजेंसी) :सीवान जिले की पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने लंबे समय से वांछित कुख्यात अपराधी आयुब खान को मुजफ्फरपुर से गिरफ्तार कर लिया है। इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक पुरन कुमार झा ने दी।एसपी ने बताया कि सीवान पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि जिले का कुख्यात अपराधी अय्यूब खालिक मुजफ्फरपुर जिले में छिपा हुआ है। सूचना के बाद सीवान पुलिस ने मुजफ्फरपुर पुलिस से संपर्क किया और संयुक्त कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि अय्यूब खालिक सीवान जिले के तीन अलग-अलग कांडों में वांछित था। तीनों मामले आर्म्स एक्ट से जुड़े हैं, जिनमें से दो मामले प्रतिबंधित हथियार से संबंधित पुराने केस हैं।एसपी के अनुसार आरोपी के खिलाफ अब तक कुल 46 आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल उसकी गिरफ्तारी वारंट के आधार पर की गई है। गिरफ्तारी के समय उसके पास से कोई बरामदगी नहीं हुई है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आरोपी को रिमांड पर लेकर उससे आगे पूछताछ की जाएगी, ताकि उसके अन्य आपराधिक नेटवर्क और साथियों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।

बिहार से राज्यसभा की सभी 5 सीटों पर एनडीए ने किया जीत दर्ज, राजद उम्मीदवार को लगा जोरदार झटका

पटना, (ईएमएस)। बिहार विधानसभा चुनाव में लगे जोरदार झटके के बाद राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को बिहार से राज्यसभा की 5 सीटों के लिए हुए चुनाव में जोरदार झटका लगा है। बिहार में राज्यसभा की पांच सीटों के लिए हुए चुनाव में एनडीए ने क्लीन स्वीप कर लिया। एनडीए के सभी पांच उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की जबकि महागठबंधन को एक बार फिर हार का सामना करना पड़ा। एनडीए को कुल 202 वोट मिले, जबकि महागठबंधन को सिर्फ 37 वोट ही मिल सके। जीत के लिए एक उम्मीदवार को 41 वोट चाहिए था। भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपेंद्र कुशवाहा और रामनाथ ठाकुर को प्रथम वरीयता के 41 वोट हासिल हुए। इससे इनकी जीत हो गई। दूसरी ओर, भाजपा के दूसरे प्रत्याशी शिवेश राम को प्रथम वरीयता के 39 वोट हासिल हुए तो उनके प्रतिद्वंद्वी अमरेन्द्रधारी सिंह को पहली वरीयता के केवल 37 वोट मिले। ज्ञात हो कि राज्यसभा चुनाव में 243 विधायकों को मतदान करना था। लेकिन राजद के एक और कांग्रेस के तीन विधायक मतदान से गायब रहे। लिहाजा कुल 239 विधायकों ने ही वोट डाला। काउंटिंग शुरू होते ही सभी वोटों की जांच की गई। विधानसभा सचिवालय के मुताबिक सारे 239 वोट वैद्य पाए गए। इस चुनाव में एनडीए ने मुख्यमंत्री सह जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, केंद्रीय मंत्री राम नाथ ठाकुर, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के प्रमुख उपेंद्र कुश-ावाहा और भाजपा के शिवेश कुमार को उम्मीदवार बनाया था। सभी पांचों उम्मीदवार चुनाव जीतने में सफल रहे।

मतदान के दौरान महागठबंधन को झटका लगा। चार विधायक वोट डालने के लिए विधानसभा नहीं पहुंचे। इनमें कांग्रेस के तीन और राजद के एक विधायक शामिल हैं। जिन चार विधायकों ने मतदान में भाग नहीं लिया, उनमें मनिहारी के विधायक मनोहर प्रसाद, फारबिसगंज के विधायक मनोज विश्वास, वाल्मीकि नगर के विधायक सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा और ढाका से राजद विधायक फैसल रहमान शामिल हैं। कांग्रेस के तीनों विधायक महागठबंधन के हिस्सा हैं और उनका वोट गठबंधन उम्मीदवार के लिए जरूरी माना जा रहा था। ऐसे में उनकी गैरमौजूदगी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। राजद विधायक की गैरहाजिरी से महागठबंधन के भीतर रणनीति को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। मतदान के दिन इन विधायकों की गैरहाजिरी ने राजनीतिक गलियारों में कई तरह की चचाएं शुरू कर दी हैं। खासकर पांचवीं सीट पर चल रही कड़ी टक्कर के बीच इस घटनाक्रम को काफी अहम माना जा रहा था। राज्यसभा चुनाव में पांच सीटों के लिए कुल छह उम्मीदवार मैदान में

एसएसबी की बड़ी कार्रवाई, भारत -नेपाल सीमा पर 56 किलोग्राम गांजा जब्त

सुपौल, (एजेंसी) : भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 45वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल की सीमा चौकी सुपौल जिले के कुनौली से बड़ी कार्रवाई करते हुए 56 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। यह कार्रवाई सोमवार को पेट्रोलिंग ड्यूटी के दौरान की गई।

जानकारी देते हुए 45वीं वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी जगदीश कुमार शर्मा ने बताया कि सीमा चौकी कुनौली के जिम्मेवारी क्षेत्र अंतर्गत सीमा स्तंभ संख्या 219/30 के समीप मादक पदार्थ की तस्करी की गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही एसएसबी के जवानों द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए एक पेट्रोलिंग पार्टी का गठन किया गया और संदिग्ध स्थान की सघन तलाशी ली गई।

तलाशी के दौरान धरारा पलार (बीपी संख्या 219/30 के समीप) जमीन में दबे तीन बोरे बरामद किए गए। जब बोरों को खोलकर देखा गया तो उनमें कुल तीन पैकेट मादक पदार्थ मारिजुआना (गांजा) मिला, जिसका कुल वजन लगभग 56 किलोग्राम पाया गया।

एलपीजी सिलेंडरः आपदा को अवसर में बदल रहे है दरभंगा के कुम्हार,रेस्टोरेंट और ढ़ाबा बंद होने बचे

पटना, (एजेंसी) : एलपीजी सिलेंडर की मारामारी के बीच एक अलग रास्ता दरभंगा के कुम्हारों ने निकाला है। बिहार के दरभंगा जिले के कुम्हारों ने एलपीजी की आपदा को अवसर में बदल दिया। दरभंगा में घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित होने से होटल और रेस्टोरेंट व्यवसाय संकट में आ गया है। हालात ऐसे हो गए हैं कि कई होटल और रेस्टोरेंट बंद हो गये हैं, जबकि कुछ संचालक वैकल्पिक व्यवस्था अपनाकर किसी तरह अपना व्यवसाय चला रहे हैं। इस बीच कुम्हारों ने वैकल्पिक व्यवस्था चूल्हा बनाकर होटल एंव छोटे छोटे ठेले वालों के लिए संजीवनी तैयार कर रहा हैं।

दरअसल दरभंगा में पहले मिट्टी के बर्तन और मूर्तियां बनाने वाले कुम्हार अब बड़े-बड़े मोबिल के ड्रम में मिट्टी के चूल्हे तैयार कर रहे हैं, जिनकी मांग तेजी से बढ़ रही है। जहाँ उन लोगों ने बड़े लोहे के ड्रम को काटकर उसमें मिट्टी की परत चढ़ाकर मजबूत चूल्हा तैयार कर रहे

हैं। इन चूल्हों को इस तरह बनाया जाता है कि एक साथ कोयला या लकड़ी जलाकर बड़े पैमाने पर खाना पकाया जा सके। इनकी कीमत 3500 से 5000 रुपये तक बताई जा रही है। होटल और रेस्टोरेंट संचालक अपने व्यवसाय को बचाने के लिए इन चूल्हों का ऑर्डर दे रहे हैं।दरभंगा में होटल, रेस्टोरेंट , स्कूलों ,कॉलेज, निजी हॉस्टल एंव मेंस के मध्याह्न भोजन के एलपीजी का उपयोग होता है जो इस वक्त संकट में है। कई होटल संचालकों ने अपने मेन्यू में कटौती कर दी है। रेस्टोरेंट संचालकों के अनुसार कमर्शियल सिलेंडर मिलना लगभग बंद हो गया है, जिससे होटल चलाना बेहद मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि स्थायी कर्मचारियों को वेतन देना भी जरूरी है। इसलिए वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में बड़े मिट्टी के चूल्हे बनवाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जानकारी मिलने पर वह कुम्हारों के पास चूल्हा देखने पहुंचे और उन्हें यह व्यवस्था ठीक लगी, जिसके बाद उन्होंने 4500 रुपये में एक चूल्हे का ऑर्डर दे दिया।

मिट्टी का चूल्हा बनाने वाले कुम्हारों का कहना है कि यूं तो गांव में या फिर शहर में भी कही न कही मिट्टी के चूल्हें का उपयोग होता ही है लेकिन वर्तमान में चल रहे एलपीजी के संकट को देखते हुए बड़ा-बड़ा चूल्हा बनाने की सोच मन में आयी। सोचा कि छोटे चूल्हें तो बनाते ही है।अब ऐसा चूल्हा बनाया जाये, जिसे रेस्टोरेंट और ढावा में भी इस्तेमाल किया जा सके।अनिल कुम्हार ने बताया कि पहले एक ड्रम को काटकर चूल्हा बनाया, जिसे एक रेस्टोरेंट संचालक ने 5000 रुपये में खरीद लिया। इसके बाद लगातार लोगों के ऑर्डर आने लगे। एक बड़े चूल्हे को बनाने में करीब 2500 से 2800 रुपये तक की लागत आती है, जिसे 4000 से 5000 रुपये में बेचा जा रहा है। एक अन्य कुम्हार ने बताया कि रोजाना तीन से चार छोटे-बड़े होटल संचालक चूल्हे का ऑर्डर देने पहुंच रहे हैं। जैसे-जैसे लोगों के गैस सिलेंडर खत्म हो रहे हैं, वैसे-वैसे वे कोयला और लकड़ी से चलने वाले इन मिट्टी के चूल्हों को खरीद रहे हैं।

यहां के कुम्हारों की कोशिश ने कई रेस्टोरेंट और ढ़ाबा को बंद होने

फतेहपुर में डिग्री कॉलेज की मांग को लेकर प्रखंड से लेकर राज्य स्तर तक होगा आंदोलन

फतेहपुर में अगले सप्ताह से हस्ताक्षर अभियान से आंदोलन की होगी शुरूआत

मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, सांसद, विधायक सहित डीएम व डीईओ को भेजा जाएगा हस्ताक्षर पत्र

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड में डिग्री कॉलेज की मांग धीरे-धीरे तेज होते जा रही है। डिग्री कॉलेज की मांग को लेकर अब प्रखंड व जिला से लेकर राज्य स्तर तक आंदोलन की रूप रेखा तैयार होने लगी है। अगले सप्ताह हस्ताक्षर अभियान से इस आंदोलन की शुरूआत होगी। दस हजार हस्ताक्षर के साथ मांग से संबंधित आवेदन मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, स-ांसद, विधायक सहित डीएम व डी-ईओ को भेजा जाएगा। इसके बाद भी इस मांग पर किसी भी स्तर से कोई ध्यान नहीं दिए जाने पर प्रखंड व जिला से लेकर राज्य स्तर तक आंदोलन किया जाएगा। फतेहपुर में युवा संगठन ने इस निर्णय पर सर्वसम्मति से मुहर लगाया है।

युवा संगठन के समर राठौर, गुंजन सिंह, धीरू कुमार, टिंकू कुमार, गुलशन, अनीश पांडेय आदि ने बताया कि फतेहपुर प्रखंड में डिग्री कॉलेज की मांग काफी समय से हो रही। इस मांग को लेकर विभिन्न स्तरों पर मौखिक व लिखित रूप से कई बार मांग की गई है। इतना ही नहीं चुनाव के दौरान सभामंच से नेताओं द्वारा डिग्री कॉलेज के लिए आश्वासन भी मिलता रहा है। लेकिन आज तक इस ज्वलंत मांग पर किसी ने भी ध्यान नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि इस मांग को तेज कर दिया गया है। अब इसके लिए आंदोलन तेज किया जाएगा। इसके लिए बैठक कर रणनीति तैयार की जा रही है। उन्होंने बताया कि अगले सप्ताह से हस्ताक्षर अभियान के साथ आंदोलन की शुरूआत किया जाएगा। इसपर संगठन से जुड़े यु-वाओं का एकमत से मुहर लग गया है। इस अभियान के तहत फतेहपुर प्रखंड क्षेत्र से लगभग दस हजार लोगों का हस्ताक्षर लिया जाएगा। इस हस्ताक्षर को एक आवेदन के साथ मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, क्षेत्रीय सांसद व विधायक सहित डीएम और डीईओ के पास भेजा जाएगा। इस हस्ताक्षर आवेदन के जरिये इन सभी से फतेहपुर में डिग्री कॉलेज खोलने की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा कि इनके द्वारा हमारी इस मांग पर कोई ध्यान नहीं दिए जाने पर आगे की आंदोलन की रूप रेखा तैयार किया जाएगा। इस आंदोलन के तहत प्रखंड व जिला से लेकर राज्य स्तर तक आंदोलन किया जाएगा।

काजीकोरैया बांध की स्थिति जर्जर, ग्रामीण चिंतित

भागलपुर, (एजेंसी) : काजीकोरैया बांध की स्थिति अत्यंत जर्जर हो गयी है। यह बांध भागलपुर जिला के खरीक, बिहपुर और नवगछिया प्रखंड के कई गांवों को गंगा नदी के भीषण बाढ़ से बचाता है। इसकी भयावह जर्जरता ने ग्रामीणों को चिंतित कर दिया है। पिछले वर्ष ग्रामीणों के सहयोग से किसी तरह इसे बचाया गया था। तभी से इसके जीर्णोद्धार के लिए लगातार प्रशासन का ध्यान आकृष्ट किया जा रहा है किंतु प्रशासन ने अब तक कोई सुध नहीं लिया। इससे ग्रामीणों में काफी आक्रोश है।

राघोपुर काजीकोरैया बांध पुनर्निर्माण समिति के बैनर तले सोमवार को ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल बांध के जीर्णोद्धार की मांग के साथ जिला पदाधिकारी से मिलने कलेक्ट्रेट पहुंचा। जिला पदाधिकारी की अनुपस्थिति में अपर जिला पदाधिकारी (एडीएम) से भेंट कर उन्हें काजीकोरैया बांध की जर्जरता व इससे होने वाले भयावह नुकसान के बारे में जानकारी दी और इसके जीर्णोद्धार की मांग की। एडीएम ने शीघ्र कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में बिंदेश्वरी मंडल, अरविंद यादव, अंजय कुमार, राजेश कुमार गुप्ता, राजेश कुमार रवि, नीरज कुमार, रमेश यादव, सुरेश प्रसाद साह, अशोक मंडल व विनोद यादव शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे काजीकोरैया बांध पुनर्निर्माण समिति के संयोजक बिंदेश्वरी मंडल ने मौके पर कहा कि 2008 में ये बांध टूट गया था जिसकी वजह से इलाके में भयंकर बाढ़ आयी थी। इलाका उस बाढ़ के नुकसान को आज तक झेल रहा है। समय रहते अगर इसका जीर्णोद्धार नहीं किया गया तो यह फिर से भारी नुकसान पहुंचा सकता है, जिसका जिम्मेदार सिर्फ प्रशासन और सरकार होगा।

सीएम की मायापुर यात्रा को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज, डीएम-एसएसपी ने किया स्थल निरीक्षण

20 मार्च को टनकुप्पा प्रखंड के मायापुर पहुंचेंगे सीएम नीतीश कुमार

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस परिसर में होगा मुख्य कार्यक्रम, विभागों को दिए गए आवश्यक निर्देश

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

फतेहपुर (गया जी) :समृद्धि यात्रा के तहत 20 मार्च को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का गया जिले के टनकुप्पा प्रखंड अंतर्गत भेटौरा पंचायत स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मायापुर प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई है। मुख्यमंत्री के आगमन की तिथि तय होते ही जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिलाधिकारी शशांक शुभंकर और एसएसपी स-ुशील कुमार ने अधिकारियों के साथ मायापुर स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस परिसर पहुंचे और यहां चल रहे तैयारियों को देखा। इस दौरान उन्होंने सभा स्थल व सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को समय से पहले सभी तैयारियां पूरी कर लेने सहित आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के आगमन की तिथि तय होते ही जिला प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय हो गया है और विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। सोमवार को जिलाधिकारी शशांक शुभंकर और एसएसपी सुशील कुमार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मायापुर पहुंचे और कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने सभा स्थल, मंच व्यवस्था, हेली पैड स्थल, स्टॉल स्थल, पार्किंग स्थल, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और सड़क मरम्मत सहित अन्य व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। निर-ीक्षण के दौरान डीएम ने संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां समय से पहले पूरी करने का सख्त निर्देश दिया, ताकि कार्यक्रम में किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। कार्यक्रम स्थल के आसपास साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और आम लोगों की सुविधा से जुड़े सभी इंतजाम बेहतर तरीके से सुनिश्चित किए जाएं। एसएसपी ने कहा कि मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए सुरक्षा और यातायात व्यवस्था विशेष रूप से दुरुस्त की जाए।मुख्यमंत्री की समृद्धि यात्रा को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन से लेकर प्रखंड स्तर के अधिकारी लगातार तैयारियों में जुटे हुए हैं। विभिन्न विभागों की टीम लगातार स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में लगी है। इधर मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर क्षेत्र में भी उत्साह का माहौल है। स्थानीय लोग कार्यक्रम को लेकर उत्सुक हैं और प्रशासन की तैयारियों पर नजर बनाए हुए हैं। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री के आगमन से क्षेत्र में विकास योजनाओं को नई गति मिलने की उम्मीद जगी है।

संपादकीय

5 राज्यों के विधानसभा चुनाव बनाम एक तीर से कई शिकार?

केंद्रीय चुनाव आयोग ने 15 मार्च रविवार को पांच राज्यों के चुनाव की घोषणा कर दी। देश में पहली बार मात्र 21 दिनों में मतदान की प्रक्रिया पूरी होगी। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव कराने की अभी तक की जो प्रक्रिया थी। उसमें मनमाने तरीके से बदलाव करते हुए जिस तरीके से पांच राज्यों के चुनाव घोषित किए हैं। उसके कई अन्य मायने भी माने जा रहे हैं। चुनाव आयोग और सरकार ने एक ही तीर से कई निशाने साधे हैं? चुनाव आयोग के इस निर्णय पर यह कहा जा सकता है, संवैधानिक संस्थाएं अपनी जिम्मेदारी और नैतिकता को भूल चुकी हैं? वह सरकार के इशारे पर ही काम कर रहीं हैं। इसमें सबसे ज्यादा चर्चा न्यायपालिका की हो रही है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने पहली बार 9 से 29 अप्रैल के बीच मात्र 21 दिनों में नामांकन से लेकर मतदान तक की प्रक्रिया पूर्ण कराने का रिकॉर्ड बनाया है। संसद का बजट सत्र चल रहा है। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। संसद में इसके बारे में चर्चा होनी थी। सांसद एवं विधायक इसी बीच चुनाव घोषित कर दिए गए। चुनाव घोषित होने का प्रभाव यह होगा की सभी राजनीतिक दल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पांडिचेरी के चुनाव में व्यस्त हो जाएंगे। संसद में सांसदों की उपस्थिति और सक्रियता बहुत कम हो जाएगी। ऐसी स्थिति में चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जो प्रस्ताव पेश किया गया है, उस पर भी शायद चर्चा हो पाए। शायद इसी रणनीति को ध्यान में रखते हुए रविवार के दिन चुनाव आयोग ने पांच राज्यों के चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी। पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची अभी तक जारी नहीं हुई है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर न्यायपालिका के जज एसआईआर मैं मतदाताओं के नाम जोड़ने के विवाद में सतत जाँच कर रहे हैं। लाखों मतदाताओं के नामों को लेकर जो जाँच चल रही है। वह कब तक पूरी होगी, इसका कोई भरोसा नहीं है। इसके बाद भी चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के चुनाव भी घोषित कर दिए। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले से एसआईआर का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। अभी तक इसकी संवैधानिकता के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने कोई फैसला नहीं दिया है। लगभग 1 साल से सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। जिसमें तारीख पर तारीख मिल रही है। इसी बीच चुनाव भी होते चले जा रहे हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची की जाँच में पश्चिम बंगाल एवं अन्य राज्यों के जजों को लगा दिया गया है।

गरीबी दैवी अभिशाप नहीं बल्कि मानवरचित षडयत्र है।

: महात्मा गाँधी

बिना जोश के आज तक कोई भी महान कार्य नहीं हुआ।

: सुभाष चंद्र बोस

दो टूक- गैस की कतारों से उठते सवाल: कितनी सुरक्षित है भारत की ऊर्जा व्यवस्था?

मध्य-पूर्व में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच छिड़े संघर्ष ने दुनिया को एक बार फिर यह याद दिला दिया है कि आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था की नसों में बहने वाली ऊर्जा कितनी असुरक्षित है। होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव और समुद्री आवागमन के ठप होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में गहरा व्यवधान पैदा हुआ है, जिसका सबसे तीखा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर दिखाई दे रहा है। भारत में रसोई गैस अर्थात एलपीजी का संकट संसद से लेकर सड़क तक चर्चा का विषय बन गया है। देश के अनेक शहरों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं, कमर्शियल सिलेंडरों की किल्लत के कारण होटल-रेस्टोरेंट बंद हो रहे हैं और कालाबाजारी के समाचार निरंतर सामने आ रहे हैं। यह स्थिति केवल अस्थायी आपूर्ति बाधा का मामला नहीं है बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा की संरचनात्मक कमजोरियों को उजागर करने वाला गंभीर संकेत है।

वैश्विक ऊर्जा मानचित्र में होर्मुज जलडमरूमध्य की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह लगभग 21 मील चौड़ा समुद्री मार्ग दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा ह्यचोकपॉइंटह्ल माना जाता है। वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत इसी संकरे मार्ग से होकर गुजरता है। सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और इराक जैसे बड़े ऊर्जा निर्यातक देश अपने तेल और गैस के विशाल भंडार को दुनिया के बाजारों तक पहुंचाने के लिए इसी मार्ग पर निर्भर हैं। ऐसे में जब इस क्षेत्र में युद्ध या सैन्य तनाव बढ़ता है तो पूरी दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था अस्थिर हो जाती है। वर्तमान संघर्ष ने भी यही किया है। ईरान द्वारा होर्मुज क्षेत्र में समुद्री गतिविधियों को सीमित करने और जहाजों पर संभावित हमलों की चेतावनी ने कई टैंकरों को रोक दिया है, जिससे एलपीजी और एलएनजी के जहाज समुद्र में फंस गए हैं और आयात पर निर्भर देशों को बड़ा झटका लगा है।

भारत के लिए यह संकट इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि देश की ऊर्जा संरचना में एलपीजी की भूमिका पिछले एक दशक में अत्यधिक बढ़ गई है। भारत आज हर वर्ष लगभग 3 करोड़ टन से अधिक एलपीजी का उपभोग करता है लेकिन घरेलू उत्पादन इस मांग का आधा हिस्सा भी पूरा नहीं कर पाता। शेष आवश्यकता खाड़ी देशों से आयात करके पूरी की जाती है। अनुमान है कि भारत में आने वाली एलपीजी का 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर ही गुजरता है। यही कारण है कि जैसे ही इस मार्ग में व्यवधान आया, उसका सबसे पहला और सबसे तेज असर भारत की रसोई पर दिखाई देने लगा। यह एक कठोर सच्चाई है कि भारतीय परिवारों की ऊर्जा सुरक्षा काफी हद तक एक संकरे समुद्री मार्ग पर निर्भर है।इसी संकट के दौरान पैट्रोल और डीजल की उपलब्धता अपेक्षाकृत सामान्य बनी हुई है। पैट्रोल पंपों पर न तो लंबी कतारें दिखाई दे रही हैं और न ही कीमतों में अचानक उछाल आया है। इसका कारण यह है कि भारत ने पिछले वर्षों में कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर अपेक्षाकृत अधिक लचीला ढांचा विकसित किया है। आज भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल आयात करता है और रूस, अमेरिका तथा अफ्रीका के कई देशों से आने वाला तेल ऐसे मार्गों से भारत पहुंचता है, जो होर्मुज पर निर्भर नहीं हैं। इसके अतिरिक्त भारत के पास रणनीतिक पैट्रोलियम भंडार भी मौजूद हैं, जिनमें आपातकालीन परिस्थितियों के लिए लाखों बैरल कच्चा तेल संग्रहीत किया जाता है। इन भंडारों और विविध आपूर्ति स्रोतों के कारण पैट्रोल और डीजल की उपलब्धता तुरंत प्रभावित नहीं होती।

इसके विपरीत एलपीजी के मामले में स्थिति बिल्कुल अलग है। एलपीजी को तरल रूप में सुरक्षित रखने के लिए अत्यधिक दबाव और विशेष टैंकों की आवश्यकता होती है, जिसके कारण बड़े पैमाने पर इसका भंडारण करना महंगा और तकनीकी रूप से जटिल होता है। यही कारण है कि भारत के पास एलपीजी का कोई बड़ा सामरिक भंडार नहीं है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, देश में एलपीजी का जो सीमित भंडार है, वह मुश्किल से दो-तीन दिन की खपत के बराबर ही है। परिणामस्वरूप जैसे ही आयात में थोड़ी भी बाधा आती है, उसका असर तुरंत बाजार और घरेलू उपभोक्ताओं पर दिखाई देने लगता है। यही वह संरचनात्मक कमजोरी है, जिसने मौजूदा संकट को गहरा बना दिया है।इस संकट का एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले दशक में ह्यप्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनाह्ल के माध्यम से करोड़ों गरीब परिवारों तक रसोई गैस पहुंचाई गई है। इस योजना ने ग्रामीण महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्ष 2014 में जहां देश में एलपीजी कनैक्शनों की संख्या लगभग 14 करोड़ थी, वहीं आज यह बढ़कर 33 करोड़ से अधिक हो चुकी है। यह सामाजिक दृष्टि से अत्यंत सकारात्मक परिवर्तन है किंतु इसका अर्थ यह भी है कि भारत की घरेलू ऊर्जा व्यवस्था अब एलपीजी के निरंतर प्रवाह पर पहले से कहीं अधिक निर्भर हो गई है। जब इस प्रवाह में व्यवधान आता है तो उसका प्रभाव करोड़ों परिवारों के दैनिक जीवन पर पड़ता है।संकट का असर केवल घरेलू रसोई तक सीमित नहीं है। उद्योग, होटल, रेस्टोरेंट, छोटे व्यवसाय और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां भी बड़े पैमाने पर एलपीजी और प्राकृतिक गैस पर निर्भर हैं। जब आपूर्ति सीमित होती है तो सबसे पहले इन्हीं क्षेत्रों की गैस आपूर्ति घटाई जाती है ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा सके। परिणामस्वरूप औद्योगिक उत्पादन प्रभावित होता है, छोटे कारोबारियों पर आर्थिक दबाव बढ़ता है और कई स्थानों पर रोजगार प्रभावित होते हैं। स्टील और धातु उद्योगों से लेकर ढाबों और छोटे भोजनालयों तक, अनेक क्षेत्र इस संकट की मार झेल रहे हैं। हालांकि सरकार ने इस स्थिति से निपटने के लिए कुछ आपातकालीन कदम उठाए हैं। रिफाइनरियों को निर्देश दिया गया है कि वे कच्चे तेल के प्रसंस्करण के दौरान एलपीजी की रिकवरी को अधिकतम करें। कुछ पैट्रोकेमिकल उत्पादों को अस्थायी रूप से रसोई गैस उत्पादन की दिशा में मोड़ा जा रहा है। इसके साथ ही अमेरिका और पश्चिम अफ्रीका जैसे क्षेत्रों से अतिरिक्त एलपीजी कार्गो मंगाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति पर अस्थायी नियंत्रण लगाकर घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने का निर्णय भी इसी रणनीति का हिस्सा है। हालांकि ये सभी कदम तात्कालिक राहत प्रदान कर सकते हैं लेकिन दीर्घकालिक समाधान के लिए इससे कहीं अधिक व्यापक नीति की आवश्यकता है।दरअसल यह संकट केवल एक युद्ध का परिणाम नहीं है बल्कि यह भारत की ऊर्जा नीति के उस खालीपन की ओर संकेत करता है, जिस पर लंबे समय से पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। कच्चे तेल के लिए रणनीतिक भंडार बनाए गए, आपूर्ति स्रोतों का विविधीकरण किया गया और रिफाइनिंग क्षमता का विस्तार किया गया लेकिन एलपीजी और गैस सुरक्षा के लिए उसी स्तर की दूरदर्शिता नहीं दिखाई गई। यदि देश में एलपीजी का पर्याप्त सामरिक भंडार होता या गैस भंडारण अवसंरचना विकसित की गई होती तो आज स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती। यह भी आवश्यक है कि पाइप्ड नेचुरल गैस नेटवर्क का विस्तार तेजी से किया जाए ताकि घरेलू ऊर्जा व्यवस्था केवल सिलेंडर आधारित मॉडल पर निर्भर न रहे।

ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण आयाम है। जब किसी देश की रसोई, उद्योग और परिवहन व्यवस्था बाहरी आपूर्ति पर अत्यधिक निर्भर होती है तो वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाएं सीधे उसके भीतर अस्थिरता पैदा कर सकती हैं। यही कारण है कि विकसित देश ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण, वैकल्पिक ऊर्जा के विकास और बड़े पैमाने पर भंडारण की रणनीतियों पर लगातार काम करते रहते हैं। भारत को भी इसी दिशा में अधिक गंभीरता से आगे बढ़ना होगा। ऊर्जा संकट लंबे समय से विकसित हो रही संरचनात्मक चुनौतियों का परिणाम होता है। इस समय आवश्यकता है संयम, जिम्मेदारी और ठोस नीति निर्माण की। मध्य-पूर्व का संघर्ष कब समाप्त होगा और होर्मुज जलडमरूमध्य में सामान्य स्थिति कब बहाल होगी, इसका स्पष्ट अनुमान फिलहाल किसी के पास नहीं है लेकिन इतना निश्चित है कि इस संकट ने भारत सहित पूरी दुनिया को यह सबक दिया है कि ऊर्जा आपूर्ति जितनी वैश्विक है, उतनी ही नाजुक भी। यदि भविष्य में ऐसे संकटों से बचना है तो ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण, गैस भंडारण अवसंरचना का निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार और घरेलू उत्पादन में वृद्धि जैसे कदम अनिवार्य होंगे अन्यथा हर वैश्विक संघर्ष के साथ भारतीय रसोई और अर्थव्यवस्था इसी तरह असुरक्षा और अनिश्चितता की आग में झुलसती रहेगी।

योगेश कुमार गोयल

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कोयंबटूर से ऊटी की यादगार यात्रा

टॉय ट्रेन में मीडिया मित्रों के संग प्रकृति से आत्मीय संवाद – घुमावदार पहाड़ों, हरियाली और चाय की खुशबू में बसती प्रकृति की अद्भुत व अलबेली दुनिया का आनंद

दक्षिण भारत की धरती अपने भीतर प्रकृति की ऐसी अनुपम छवियाँ समेटे हुए है,जिन्हें देखकर मन अनायास ही विस्मय और श्रद्धा से भर उठता है।यहाँ के पर्वत, हरियाली,झरने और शांत वातावरण प्रकृति के उस दिव्य रूप का परिचय देते हैं,जो मनुष्य को जीवन की भागदौड़ से कुछ क्षणों के लिए दूर ले जाकर आत्मिक शांति का अनुभव कराते हैं। तमिलनाडु का औद्योगिक नगर कोयंबटूर और उससे लगभग 85 किलोमीटर दूर स्थित पर्वतीय पर्यटन नगरी ऊटी की यात्रा इसी प्राकृतिक वैभव का अद्भुत अनुभव कराती है।यह यात्रा केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने का साधारण मार्ग नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ आत्मीय संवाद का ऐसा अवसर है,जो स्मृतियों में लंबे समय तक जीवित रहता है।

विगत दिनों हमें दिल्ली की भागदौड़ भरी जीवन-शैली से कुछ समय के लिए अलग दक्षिण भारत की यात्रा का अवसर मिला।मीडिया मित्रों के साथ यह यात्रा किसी सामान्य पर्यटन कार्यक्रम से कहीं अधिक थी। यह मानो प्रकृति की गोद में बिताए गए उन अनमोल क्षणों का अनुभव था,जो जीवन की व्यस्तता के बीच मन को नई ऊर्जा और शांति प्रदान करते हैं।कोयंबटूर से ऊटी की ओर बढ़ते ही धरती का स्वरूप धीरे-धीरे बदलने लगता है।मैदानी इलाकों की गर्म हवा शीतल पर्वतीय बयार में परिवर्तित हो जाती है।सीधी और सपाट सड़कों की जगह घुमावदार घाटियाँ दिखाई देने लगती हैं और शहरी कोलाहल की जगह चारों ओर फैली हरियाली यात्रियों का स्वागत करती प्रतीत होती है। यह मार्ग नीलगिरि पर्वतमाला की गोद से होकर गुजरता है। ह्यनीलगिरिह्ल का अर्थ ही है-नीले पर्वत।दूर से देखने पर इन पहाड़ों की हरियाली और नीले आकाश का अद्भुत संगम इन्हें एक विशिष्ट सौंदर्य प्रदान करता है।जैसे-जैसे हमारी कारों का काफिला ऊँचाई की ओर बढ़ रहा था,सड़कें सर्प की भाँति घुमावदार होती जा रही थीं।कुछ दूरी पर तीखे मोड़ आते हैं, जिन्हें स्थानीय भाषा में ह्यहेयरपिन बेंडह्ल कहा जाता है।इन मोड़ों से नीचे झांकती घाटियाँ और दूर तक फैले पर्वत यात्रियों के मन में रोमांच भर देते हैं। कभी बादलों की हल्की परतें घाटियों में तैरती दिखाई देती हैं तो कभी सूर्य की किरणें पर्वतों की ढलानों को सुनहरी आभा से भर देती हैं।

रास्ते भर फैले चाय के बागान इस यात्रा को और भी मनोहारी बना देते हैं।पर्वतों की ढलानों पर कतारों में सजे चाय के पौधे मानो किसी कलाकार की सजीव चित्रकला प्रतीत होते हैं।दूर-दूर तक फैली हरियाली और उसके बीच काम करती महिला मजदूरों की छवियाँ इस दृश्य को और भी जीवंत बना देती हैं। सिर पर टोकरी, हाथों में चाय की कोमल पत्तियाँ और चेहरे पर श्रम की सहज मुस्कान-यह सब मिलकर प्रकृति और श्रम के सुंदर समन्वय का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।यह क्षेत्र भारत के प्रमुख चाय उत्पादन क्षेत्रों में गिना जाता है और नीलगिरि की चाय विश्व भर में अपनी सुगंध और स्वाद के लिए प्रसिद्ध है।हमारी इस यात्रा का सबसे स्मरणीय और रोमांचक अनुभव तब मिला जब मीडिया मित्रों के साथ प्रसिद्ध नीलगिरि माउंटेन रेलवे की टॉय ट्रेन में बैठने का अवसर प्राप्त हुआ।यह छोटी- सी पर्वतीय रेलगाड़ी मानो प्रकृति की गोद में धीरे-धीरे सरकती हुई आगे बढ़ती है। पटरियों के दोनों ओर फैली हरियाली, छोटी-छोटी सुरंगें,गहरी घाटियाँ और दूर तक फैले चाय के बागान–इन सबके बीच यह रेल यात्रा किसी चलचित्र की तरह आँखों के सामने खुलती चली जाती है।जब ट्रेन किसी मोड़ से गुजरती है तो पूरी रेलगाड़ी का दृश्य सामने दिखाई देने लगता है।ऐसा लगता है मानो पहाड़ों की गोद में कोई रंगीन रेखा धीरे-धीरे आगे बढ़ रही हो। कभी ट्रेन सुरंग में प्रवेश करती है तो कुछ क्षणों के लिए अंधकार छा जाता है।जैसे ही बाहर निकलती है,सामने हरियाली से भरा दृश्य यात्रियों का स्वागत करता है।

टॉय ट्रेन की इस यात्रा को और भी रोचक बना दिया हमारे मीडिया साथियों ने। किसी ने गीत की पंक्ति छेड़ी तो किसी ने उसे आगे बढ़ाया और देखते ही देखते पूरे डिब्बे में अंताक्षरी का दौर शुरू हो गया। पहाड़ों के बीच गीतों की मधुर धुन गूंजने लगी। प्रकृति की शांति और मित्रों की हँसी-ठिठोली के बीच यह यात्रा सचमुच अविस्मरणीय बन गई।इस यात्रा में वरिष्ठ पत्रकार सुजीत ठाकुर के साथ मीडिया जगत की सक्रिय सहयोगीलाइगा आशफ,(समूह संपादिका) शिवानी शर्मा, भावना गुप्ता,सपना,आकाश त्रिवेदी,अभिषेक,समीर,सुरेन्द्र पंडित और रिपुंज तिवारी सहित अनेक मीडिया मित्र उपस्थित थे।रास्ते भर संवाद, हास्य परिहास और गीतों का यह वातावरण यात्रा को और भी जीवंत बना रहा था।विशेष वरिष्ट मीडिया मित्र सुजीत ठाकुर व रिपुंज तिवारी ने ऐसा समा बंधा कि हम सुर- संगीत की महफिल में पहुंचे हो।इस अवसर पर आयोजन से जुड़े कुछ सरकारी अधिकारी तथा अन्य आमंत्रित अधिकारी जो अतिथि भी हमारे साथ थे,जिनकी उपस्थिति ने इस यात्रा को एक सामूहिक अनुभव का रूप दे दिया।रास्ते में पहाड़ों से उतरते छोटे-छोटे झरने यात्रियों का स्वागत करते दिखाई देते हैं।कहीं चट्टानों के बीच से पतली जलधारा गिरती है तो कहीं हरियाली के बीच से फूटते झरने मधुर संगीत की तरह सुनाई देते हैं।प्रकृति का यह स्वाभाविक संगीत मन को एक अनूठी शांति प्रदान करता है।बरसात के मौसम में इन झरनों की संख्या और भी बढ़ जाती है और पूरा क्षेत्र जलधारा और हरियाली का उत्सव बन जाता है।संध्या होते-होते हम ऊटी पहुँचे और वहीं रात्रि विश्राम का अवसर मिला। पहाड़ों की ठंडी हवा,चारों ओर फैली शांति और दूर-दूर तक पसरी हरियाली ने वातावरण को अत्यंत सुकूनभरा बना दिया।शहर की भागदौड़ से दूर यह शांत रात्रि मानो प्रकृति की गोद में विश्राम करने जैसा अनुभव दे रही थी।

अगली सुबह का दृश्य तो और भी अद्भुत था।प्रातःकाल जब भुवन-भास्कर सूर्यदेव की पहली किरणें पर्वतों की चोटियों पर पड़ीं, तो वह दृश्य सचमुच दिव्य और अलौकिक प्रतीत हुआ।पहाड़ों के पीछे से धीरे-धीरे उगता सूर्य,धुंध की हल्की परतों के बीच फैलती सुनहरी रोशनी और उस प्रकाश में चमकती हरियाली - यह दृश्य मन को एक आध्यात्मिक शांति से भर देता है।ऐसा लगता है मानो स्वयं प्रकृति ने अपने आंचल से दिन का स्वागत किया हो।ऊटी का प्राकृतिक सौंदर्य वास्तव में अद्वितीय है।यहाँ की झीलें,उद्यान और पर्वतीय दृश्य पर्यटकों को बार-बार अपनी ओर आकर्षित करते हैं।ऊटी झील के शांत जल में तैरती नौकाएँ और उसके चारों ओर फैली हरियाली मन को एक अनोखी शांति का अनुभव कराती है। वहीं प्रसिद्ध सरकारी बोटैनिकल गार्डन दुर्लभ पौधों और रंग-बिरंगे फूलों की अद्भुत दुनिया प्रस्तुत करता है।

बिनोद कुमार सिंह

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7453

मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1		6	2
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7452 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

दैनिक पंचांग

17 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मीन में
चंद्र	कुंभ में
मंगल	कुंभ में
बुध	कुंभ में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मीन में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मीन	06.00 बजे से
मेष	07.35 बजे से
वृष	09.15 बजे से
मिथुन	11.13 बजे से
कर्क	13.26 बजे से
सिंह	15.43 बजे से
कन्या	17.54 बजे से
तुला	20.05 बजे से
वृश्चिक	22.20 ब.से
धनु	00.36 बजे से
मकर	02.41 बजे से
कुंभ	04.28 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 76 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन)
पक्ष कृष्ण
तिथि त्रयोदशी 09.23 बजे को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 06.22 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 08.15 बजे को समाप्त।
करण वणिज 09.23 बजे तदनन्तर विष्टि 20.59 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 01° 26'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872651
जूलियन दिन 2461116.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान **तारीख** 27
विशेष मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

खाड़ी संकट, तेल आपूर्ति और रेमिटेंस: भारत के सामने उभरता बहुआयामी खतरा

पश्चिम एशिया (मध्य-पूर्व) में बढ़ते तनाव ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को चिंतित कर दिया है। विशेष रूप से जलडमरू मध्य और लाल सागर जैसे समुद्री मार्गों की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। ये दोनों मार्ग वैश्विक ऊर्जा और व्यापार की जीवनरेखा माने जाते हैं। भारत, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर अत्यधिक निर्भर है और जिसके लाखों नागरिक खाड़ी देशों में काम करते हैं, इस संकट से सीधे और परोक्ष–दोनों तरह से प्रभावित हो सकता है।सबसे पहला और सबसे बड़ा खतरा तेल आपूर्ति से जुड़ा है। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत आयात करता है, जिसमें बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र जैसे सऊदी अरब,ईराक,यूएई, और कुवैत से आता है।

इन देशों से आने वाला अधिकांश तेल होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। यदि यह मार्ग बाधित होता है या जहाजों की आवाजाही सीमित होती है, तो वैश्विक बाजार में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं। तेल महँगा होने का सीधा असर भारत में पेट्रोल-डीजल, परिवहन लागत, बिजली उत्पादन और अंततः खाद्य वस्तुओं तक पर पड़ता है। परिणामस्वरूप महँगाई बढ़ती है और आर्थिक विकास की गति धीमी हो सकती है।

दूसरा बड़ा प्रभाव समुद्री व्यापार और शिपिंग लागत पर पड़ता है। युद्ध या हमले की आशंका बढ़ने पर जहाज कंपनियाँ अतिरिक्त ह्वॉर-रिस्क इंश्योरेंसह्ल लेती हैं, जिससे परिवहन लागत बढ़ जाती है। कई बार जहाज जोखिम वाले मार्गों से बचकर लंबा रास्ता अपनाते हैं, जैसे लाल सागर से होकर आने के बजाय अफ्रीका के दक्षिणी सिरे केप आफ गुड होप से घूमकर आना। इससे यात्रा समय 10ञ15 दिन तक बढ़ सकता है और माल ढुलाई महँगी हो जाती है। इसका असर आयातित वस्तुओं–जैसे उर्वरक, खाद्य तेल, मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक्स–की कीमतों पर पड़ता है, जो घरेलू बाजार में महँगाई को और बढ़ा सकता है।

तीसरा महत्वपूर्ण पहलू गैस आपूर्ति का है। भारत अपनी प्राकृतिक गैस की जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है, विशेष रूप से कतर से तरलीकृत प्राकृतिक गैस एलएनजी। यदि समुद्री मार्ग असुरक्षित हो जाते हैं, तो गैस की आपूर्ति बाधित हो सकती है या महँगी हो सकती है। इससे बिजली उत्पादन, उर्वरक उद्योग और शहरी गैस वितरण पर प्रभाव पड़ेगा, जिसका व्यापक असर उद्योग और कृषि दोनों पर पड़ सकता है।

चौथा और सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा रेमिटेंस (विदेश से भेजा गया पैसा) का है। खाड़ी देशों में लगभग 80 लाख से अधिक भारतीय काम करते हैं, विशेषकर यूएई, सऊदी अरब,कतर,और कुवैत में। ये प्रवासी हर वर्ष अरबों डॉलर भारत भेजते हैं, जो देश के विदेशी मुद्रा भंडार और लाखों परिवारों की आय का महत्वपूर्ण स्रोत है। यदि क्षेत्र में युद्ध या आर्थिक मंदी आती है, तो निर्माण, तेल और सेवा क्षेत्रों में रोजगार घट सकता है, वेतन कम हो सकता है या भारतीयों की बड़े पैमाने पर वापसी हो सकती है। इससे रेमिटेंस घटेगा और उन राज्यों की अर्थव्यवस्था पर विशेष असर पड़ेगा जहाँ प्रवासी आय का बड़ा हिस्सा आता है।

हालाँकि भारत पूरी तरह असहाय नहीं है। देश ने जो रणनीतिक तेल भंडार विकसित किए हैं वे सीमित हैं,और ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने की कोशिश रूस,ब्राजील और यूएस जैसे देशों से आयात बढ़ाकर की जानी चाहिए।इसके अलावा भारतीय नेवी समुद्री क्षेत्र में सक्रिय निगरानी और भारतीय जहाजों की सुरक्षा के लिए तैनात रहती है। भारत की विदेश नीति भी सभी प्रमुख देशों से संबंध बनाए रखने की कोशिश करती है ताकि संकट की स्थिति में आपूर्ति और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। फिर भी, सबसे खराब स्थिति–यदि होर्मुज पूरी तरह बंद हो जाए या व्यापक युद्ध छिड़ जाए–तो भारत को ह्वदोहरी मारह्ल झेलनी पड़ सकती है: एक ओर तेल और गैस की कीमतों में उछाल, दूसरी ओर रेमिटेंस में गिरावट। इससे महँगाई, चालू खाता घाटा, रुपये पर दबाव और आर्थिक विकास दर–सभी प्रभावित हो सकते हैं।

खाड़ी क्षेत्र का संकट भारत के लिए केवल एक दूरस्थ भू-राजनीतिक घटना नहीं है बल्कि एक प्रत्यक्ष आर्थिक और सामाजिक चुनौती है। हालांकि भारत के पास कुछ सुरक्षा उपाय और विकल्प मौजूद हैं, लेकिन दीर्घकालीन समाधान ऊर्जा आत्मनिर्भरता, नवीकरणीय स्रोतों के विस्तार और प्रवासी आय पर अत्यधिक निर्भरता कम करने में ही निहित है। वर्तमान परिस्थितियाँ भारत को अपनी ऊर्जा और आर्थिक रणनीति को और अधिक मजबूत तथा विविध बनाने की आवश्यकता की याद दिलाती हैं। भारतीय तेल स्रोत्रों का उत्पादन बढाऩा समय का तकाजा है।क्या ऐसा हो पायेगा?

भूपेन्द्र गुप्ता

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त खबरें

अवैध कॉल सेंटर मामले में ईडी का पश्चिम बंगाल में 10 ठिकानों पर छापा

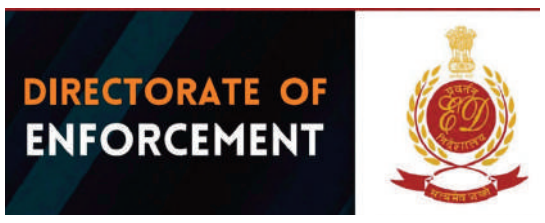

कोलकाता, (एजेंसी) : पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बार फिर अवैध कॉल सेंटर से जुड़े मामले में बड़ा अभियान शुरू किया है। जांच एजेंसी की टीम सोमवार सुबह से राज्य के विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार, ईडी की टीमें सिलिगुड़ी, हावड़ा, बिधाननगर और दुगार्पुर सहित कुल 10 स्थानों पर तलाशी अभियान चला रही हैं। यह कार्रवाई अवैध कॉल सेंटर नेटवर्क से जुड़े एक मामले की जांच के सिलसिले में की जा रही है।

जिन लोगों के ठिकानों पर तलाशी ली जा रही है उनमें सुरश्री कर, सम्राट घोष, शुभजीत चक्रवर्ती समेत अन्य लोग शामिल हैं। शिलिगुड़ी के हाकिमपाड़ा इलाके में स्वपन घोष के घर पर भी ईडी अधिकारियों ने छापा मारा है। बताया गया है कि स्वपन घोष पेशे से सोना व्यवसायी हैं और बिधान बाजार में उनका एक शोरूम भी है।

ईडी सूत्रों के अनुसार, तलाशी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल उपकरणों की जांच की जा रही है। अधिकारियों का मानना है कि इससे अवैध कॉल सेंटर नेटवर्क के आर्थिक लेनदेन और संचालन से जुड़े अहम सुराग मिल सकते हैं।

फिलहाल, ईडी की कार्रवाई जारी है और इस मामले में आगे और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

अभिनेत्री जैकलिन ने अपनी मां की अस्थियों को गंगा में किया विसर्जित

वाराणसी, (एजेंसी) :बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलिन फर्नांडीज ने सोमवार को यहां गंगा नदी में अपनी मां की अस्थियों का विधि-विधान से विसर्जन किया। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलिन फर्नांडीज ने कहा कि मन से धार्मिक हूँ और यही कारण है कि मां की अस्थियों को गंगा की बीच धारा में विसर्जित किया है। वाराणसी में धार्मिक माहौल है और यहां मोक्ष मिलता है। गंगा नदी के किनारे शांति मिलती है।

अभिनेत्री जैकलिन फर्नांडीज की मां की अस्थियों का विधि विधान से विसर्जन आचार्य विकास पाण्डेय ने कराया। अभिनेत्री ने गंगा किनारे से एक नाव ली और उसी पर बैठकर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अनुष्ठान संपन्न कराया। कुछ देर गंगा के तट पर रुकने के बाद जैकलिन ताज होटल के लिए रवाना हो गईं।

मुरादाबाद सड़क हादसे में चार दोस्तों की मौत, एक गंभीर

मुरादाबाद, (एजेंसी) : उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद जिले के मुंढापांडे

थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह दिल्ली-लखनऊ राजमार्ग पर सड़क हादसे में चार दोस्तों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी।

पुलिस अधीक्षक (नगर) कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि सोमवार सुबह छह बजे मनकरा मोड़ के पास यह हादसा उस समय हुआ जब रामपुर से दिल्ली जा रही एक कार अनियंत्रित होकर आगे चल रही ईंटों से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी लोग फंस गए। सूचना मिलने पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कार में फंसे लोगों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। सभी को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मूंढापांडे ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने चार युवकों को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक युवक की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पुलिस अधीक्षक नगर ने बताया कि हादसे में जिन युवकों की मौत हुई हैं, उनकी पहचान उत्तराखंड राज्य के नैनीताल निवासी दयाल सिंह रावत (58), हल्द्वानी के सुंदर सिंह (35), अल्मोड़ा के भुवन भंडारी (38) और हल्द्वानी के अनिल नेगी के रूप में हुई है। इस हादसे में कार चालक यशदीप पांडे घायल है, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। हादसे के बाद ट्रैक्टर ट्रॉली का चालक भाग निकला। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारू कर दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार पांचों युवक दिल्ली में प्राइवेट कंपनी में काम करते थे और हल्द्वानी में एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद वापस दिल्ली जा रहे थे।

केवी और नवोदय विद्यालयों में 13 हजार से अधिक शिक्षकों के पद खाली : शिक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, (एजेंसी) : देशभर के केंद्रीय विद्यालयों (केवी) और जवाहर नवोदय विद्यालयों (जेएनवी) में 13,701 शिक्षकों के पद खाली हैं।

शिक्षा मंत्रालय ने सोमवार को लोकसभा में यह जानकारी दी। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने एक लिखित प्रश्न के उत्तर में बताया कि केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) और नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, केवीएस में 8,618 और एनवीएस में 5,083 शिक्षकों के पद रिक्त हैं।

उन्होंने बताया कि नए केंद्रीय और नवोदय विद्यालयों के खुलने, कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने, इस्तीफे, पदोन्नति, तबादले और अन्य विभागों में प्रतिनियुक्ति पर जाने और स्कूलों के अपग्रेड होने की वजह से समय-समय पर रिक्तियां उत्पन्न होती रहती हैं। खाली पदों को भरना एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है और केवीएस और एनवीएस के संबंधित भर्ती नियमों के प्रावधानों के अनुसार इन पदों को भरने की कोशिश की जाती है।मंत्री ने बताया कि केवीएस और एनवीएस द्वारा कुछ समय के लिए अनुबंध के आधार पर भी टीचर रखे जाते हैं, ताकि पढ़ाई-लिखाई की प्रक्रिया में कोई रुकावट न आए। रेगुलर टीचरों की भर्ती जल्द से जल्द करने की कोशिश की जाती है, ताकि छात्रों के हितों को कोई नुकसान न पहुंचे।

पिछले कुछ सालों में केवी और एनवी द्वारा लगातार हासिल किए

कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में आग, 10 मरीजों की मौत; न्यायिक जांच के आदेश

भुवनेश्वर, (एजेंसी) :ओडिशा के कटक स्थित श्रीरामचंद्र भंज मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के ट्रॉमा केयर इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में सोमवार तड़के भीषण आग लगने से कम से कम 10 मरीजों की मौत हो गई। इस हादसे से अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई और गंभीर मरीजों को तुरंत अन्य वार्डों में स्थानांतरित किया गया।आग सुबह करीब 2:30 से 3:00 बजे के बीच इमरजेंसी विभाग की पहली मंजिल पर स्थित ट्रॉमा आईसीयू में लगी, जहां उस समय 23 मरीज भर्ती थे। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग का कारण माना जा रहा है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद होगी। दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू

पाया गया।मृतकों की पहचान रमेश परिडा, दशारू मुंडा, एम.डी. न्युम, गौरांग बारिक, एस.के. अब्दुल सत्तार, मधुसूदन दलाई, कृष्णचंद्र बिस्वाल, रवींद्र दास, चारू पि-रडा और मेनका राउत के रूप में हुई है।अस्पताल प्रशासन ने बताया कि अन्य मरीजों को सुरक्षित रूप से अस्पताल के विभिन्न विभागों में स्थानांतरित कर दिया गया है और उनका उपचार जारी है।घटना की जानकारी मिलते ही ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उनके साथ स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग भी मौजूद थे।दोनों नेताओं ने अस्पताल के प्रभावित हिस्से का निरीक्षण किया और अन्य वार्डों में इलाज करा रहे मरीजों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की और उन्हें हर संभव सरकारी सहायता का भरोसा दिया।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्थानांतरित किए गए सभी मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए और उनके उपचार में किसी प्रकार की बाधा न आए।

मुख्यमंत्री ने घटना के कारणों का पता लगाने के लिए न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। इस जांच में यह भी देखा जाएगा कि अस्पताल में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था में कहीं कोई कमी तो नहीं थी।

राज्य सरकार प्रधानमंत्री के निर्धारित चार स्तंभों पर निरंतर कार्य कर रही है : मोहन यादव

नई दिल्ली, (एजेंसी) : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से निर्धारित चार स्तंभ किसान, युवा, महिला और गरीब के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है।

संसद परिसर में प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार वर्तमान समय को ह्यकिसान कल्याण वर्षह्ण के रूप में मना रही है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार पशुपालन, मत्स्य पालन, बागवानी और कृषि सहित 16 विभिन्न विभागों को आपस में जोड़कर समन्वित तरीके से काम कर रही है। इस दौरान विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों और योजनाओं की प्रगति पर प्रधानमंत्री के साथ विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा, ह्यमुझे इस बात का संतोष है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रसन्नता के साथ हमारे कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए आशीर्वाद दिया है और आने वाले समय में इसके अच्छे परिणाम भी सामने आएंगे।

साहित्य अकादमी पुरस्कार-2025 की घोषणा, 24 भाषाओं की उत्कृष्ट कृतियां सम्मानित, 31 मार्च को होगा सम्मान समारोह

नई दिल्ली, (एजेंसी) : साहित्य अकादमी ने वर्ष 2025 के लिए अपने प्रतिष्ठित वार्षिक साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। इस बार देश की 24 भारतीय भाषाओं की उत्कृष्ट साहित्यिक कृतियों को सम्मान के लिए चुना गया है।

अकादमी की सचिव पल्लवी प्रशांत होल्कर की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, चयनित कृतियों में कविता, उपन्यास, कहानी, निबंध, आलोचना, आत्मकथा और संस्मरण जैसी विभिन्न विधाओं की पुस्तकें शामिल हैं। कुल मिलाकर इस वर्ष 8 कविता-संग्रह, 4 उपन्यास, 6 कहानी-संग्रह, 2 निबंध, 1 साहित्यिक आलोचना, 1 आत्मकथा और 2 संस्मरण को पुरस्कार के लिए चुना गया है।

इन पुरस्कारों का चयन 24 भारतीय भाषाओं की अलग-अलग निर्णायक समितियों (ज्यूरी) की सिफारिशों के आधार पर किया गया है। पुरस्कार स्वरूप प्रत्येक विजेता को उत्कीर्ण ताम्रफलक, शॉल और एक लाख रुपये की नकद राशि प्रदान की जाएगी। सम्मान समारोह 31 मार्च 2026 को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

कविता विधा में आठ कृतियां चयनित

कविता श्रेणी में बांग्ला की 'श्रेष्ठ कबिता', डोगरी की 'ठाकुर' सतसई, गुजराती की 'भट्टखडकी', कश्मीरी की 'नजदावनेकी पॉट अलाव', ओड़िया की 'पदपुराण', संस्कृत की 'प्रस्थानचतुष्टये ब्रह्मघोषः', तेलुगु की 'अनिमेष' और उर्दू की 'सफर जारी है' को सम्मानित किया जाएगा। इन कृतियों के माध्यम से भारतीय भाषाओं की काव्य परंपरा, सांस्कृतिक विविधता और समकालीन संवेदनाओं को प्रभावी रूप से अभिव्यक्ति मिली है।

पश्चिम बंगाल के नए डीजीपी सिद्धनाथ गुप्ता, अजय कुमार नंदा कोलकाता के नए पुलिस कमिश्नर बने

कोलकाता, (एजेंसी) :पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद चुनाव आयोग ने राज्य के प्रशासनिक ढांचे में बड़े पैमाने पर बदलाव जारी रखते हुए अब पुलिस के शीर्ष स्तर पर भी फेरबदल किया है। मतदान कार्यक्रम घोषित होने के 24 घंटे के भीतर कोलकाता के पुलिस आयुक्त और राज्य पुलिस के कार्यवाहक महानिदेशक को बदल दिया गया है।

चुनाव आयोग ने कोलकाता के पुलिस आयुक्त सुप्रतिम सरकार को उनके पद से हटा दिया है। उनकी जगह 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी अजय कुमार नंदा को नया पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। वहीं पियूष पांडे की जगह 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी सिद्धिनाथ गुप्ता को राज्य का कार्यवाहक पुलिस

महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक बनाया गया है।इसके अलावा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) विनीत गोयल को भी पद से हटा दिया गया है। उनकी जगह 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी अजय मुकुंद रनाडे को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी नटराजन रमेशबाबू को महानिदेशक (कारागार) नियुक्त किया गया है।

चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि नए पुलिस आयुक्त और नए कार्यवाहक डीजी को सोमवार दोपहर तीन बजे तक अपना कार्यभार संभालना होगा।

गौरतलब है कि, रविवार को दिल्ली से चुनाव कार्यक्रम घोषित करते समय मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने स्पष्ट कहा था कि कानून व्यवस्था बनाए रखते हुए शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और हिंसामुक्त चुनाव कराना आयोग की प्राथमिक जिम्मेदारी है।इसी क्रम में मतदान कार्यक्रम की घोषणा के कुछ घंटों के भीतर ही राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा को भी उनके पदों से हटा दिया गया था। उनकी जगह क्रमशः दुश्मंत नारियाला और संगमित्रा घोष को नियुक्त किया गया।इन बदलावों के बाद से ही यह कयास लगाए जा रहे थे कि पुलिस प्रशासन के शीर्ष स्तर पर भी जल्द परिवर्तन हो सकता है, जिसे सोमवार सुबह चुनाव आयोग ने अमल में ला दिया।

पश्चिम बंगाल में चुनाव घोषणा के कुछ घंटों बाद बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा हटाए गए

कोलकाता, (एजेंसी) :पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की घोषणा के कुछ ही घंटों के भीतर भारत निर्वाचन आयोग ने राज्य के शीर्ष प्रशासनिक स्तर पर बड़ा बदलाव करते हुए मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा को उनके पदों से हटा दिया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक दोनों अधिकारी किसी भी चुनाव संबंधी कार्य में शामिल नहीं हो सकेंगे।

निर्वाचन आयोग ने नंदिनी चक्रवर्ती की जगह 1993 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी दुश्मंत नारियाला को नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। वहीं, 1997 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी संघमित्रा घोष को राज्य का नया गृह सचिव बनाया गया है। आयोग ने दोनों अधिकारियों को सोमवार दोपहर तीन बजे तक कार्यभार संभालने का निर्देश दिया है।

आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव कार्यक्रम र-विवार को घोषित किया था और उसके कुछ घंटों के भीतर यह प्रशासनिक बदलाव कर दिया

गया। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो चुकी है, जिसके तहत निर्वाचन आयोग को प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले और नियुक्ति का विशेष अधिकार प्राप्त होता है।

निर्वाचन आयोग पहले भी चुनाव के दौरान राज्य के पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों में बदलाव करता रहा है। चुनाव से पहले पुलिस अधीक्षक और कोलकाता पुलिस आयुक्त तक को बदले जाने के उदाहरण मौजूद हैं। गृह सचिव स्तर पर भी पहले परिवर्तन हुए हैं, हालांकि मुख्य सचिव स्तर पर हाल के वर्षों में इस तरह का बदलाव दुर्लभ माना जा रहा है।

इससे पहले 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान आयोग ने पश्चिम बंगाल के तत्कालीन गृह सचिव अत्रि भट्टाचार्य को भी पद से हटा दिया गया था। उस समय आयोग ने आरोप लगाया था कि उनके कुछ कदम चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुरूप नहीं थे।

उसी चुनाव के दौरान सीआईडी के अतिरिक्त महानिदेशक पद पर तैनात राजीव कुमार को भी उनके दायित्व से हटाया गया था।

नए मुख्य सचिव दुश्मंत नारियाला इससे पहले राज्य के उत्तर बंगाल विकास विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत रहे हैं। उन्होंने आपदा प्रबंधन और नागरिक सुरक्षा विभाग की जिम्मेदारी भी संभाली है। इसके अलावा वह सिंचाई विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी देख चुके हैं।

नई गृह सचिव बनीं संघमित्रा घोष इससे पहले महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रधान सचिव रही हैं। इस पद पर रहते हुए उन्होंने राज्य की महिला और बाल कल्याण, सामाजिक सुरक्षा तथा विभिन्न सामाजिक योजनाओं के प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी संभाली।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल की 294 विधानसभा सीटों के लिए इस बार दो चरणों में मतदान होगा। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को 142 सीटों पर होगा। मतगणना चार मई को की जाएगी।हाल के चुनाव की तुलना में इस बार कम चरणों में मतदान कराया जा रहा है। 2021 के विधानसभा चुनाव आठ चरणों में हुए थे, जबकि पिछले कई चुनावों में छह से सात चरणों में मतदान कराया गया था।

डाक विभाग कल से शुरू करेगा 24 स्पीड पोस्ट सेवा, छह बड़े शहरों में अगले दिन पार्सल डिलीवरी का दावा

नई दिल्ली, (एजेंसी) :केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया डाक विभाग की 24 स्पीड पोस्ट सेवा का मंगलवार, 17 मार्च को शुभारंभ करेंगे। इसके तहत जरूरी पार्सल अगले दिन पहुंचाने का वादा किया गया है। प्रथम चरण में यह सेवा देश के छह बड़े शहरों में शुरू की जाएगी।

केंद्रीय संचार मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि 24 स्पीड पोस्ट सेवा के तहत अत्यावश्यक और समयबद्ध पार्सल की अगले दिन गा-रंटीकृत डिलीवरी सुनिश्चित की जाएगी। नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में संचार राज्यमंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी भी मौजूद रहेंगे।

सरकार के मुताबिक यह सेवा पहले चरण में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद में शुरू की जाएगी। साथ ही ह्य24ह्ल और ह्य48 स्पीड पोस्टह्ल सेवाएं क्रमशः डी+1 (डिस्पैच के अलगे दिन डिलेवरी) और डी+2 (डिस्पैच के दो दिन में डिलिवरी) डिलीवरी टाइमलाइन सुनिश्चित करेंगी। इन सेवाओं को विशेष प्रोसेसिंग विंडो और प्राथमिकता वाली हवाई ट्रांसमिशन व्यवस्था के जरिए सक्षम बनाया गया है।

नई सेवा में ओटीपी आधारित सुरक्षित डिलीवरी, एंड-टू-एंड ट्रैकिंग के साथ एसएमएस अलर्ट, बिजनेस ग्राहकों के लिए बाय नाउ पे लेटर (बीएनपीएल) सुविधा, बल्क बुकिंग के लिए मुफ्त पिकअप, एपीआई इंटीग्रेशन और केंद्रीकृत बिलिंग जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। यदि डिलीवरी में देरी होती है तो ग्राहकों को मनी-बैक गारंटी भी दी जाएगी।

नर्मदा परिक्रमा की तैयारियां शुरू, गुजरात सरकार सुविधाओं पर खर्च करेगी 10 करोड़

गांधीनगर, (एजेंसी) :गुजरात सरकार ने नर्मदा परिक्रमा की भव्य तैयारियां शुरू कर दी हैं। राज्य सरकार श्रद्धालुओं की विभिन्न सुविधाओं पर खर्च 10 करोड़ रुपये खर्च करेगी। यह यात्रा इस वर्ष 19 मार्च से 17 अप्रैल 2026 तक चलेगी।

भारतीय संस्कृति में सदियों से साधु-संतों और श्रद्धालुओं के लिए नर्मदा परिक्रमा केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि आस्था, साधना और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत अनुभव मानी जाती है। गुजरात में आयोजित होने वाली पवित्र उत्तर-वाहिनी पंचकोशी नर्मदा परिक्रमा इसी सनातन परंपरा का जीवंत प्रतीक है, जहां श्रद्धालु मां नर्मदा की आराधना करते हुए आध्यात्मिक शांति और ऊर्जा का अनुभव प्राप्त करते हैं।

इस वर्ष 19 मार्च से 17 अप्रैल 2026 तक चलने वाली 30 दिवसीय नर्मदा परिक्रमा के लिए गुजरात सरकार ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से अस्थायी और स्थायी व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

राज्य सूचना विभाग ने अपने बयान में बताया कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड परिक्रमा के दौरान आने वाले हजारों श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। अस्थायी व्यवस्थाओं के लिए लगभग 5.41 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके तहत अतिरिक्त डोम शेल्टर, मोबाइल टॉयलेट, पानी की व्यवस्था, मे-डिकल यूनिट, 247 एम्बुलेंस, लाइटिंग और इमरजेंसी हेल्प प्वाइंट बनाए जाएंगे।

श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए बड़े वॉटरप्रूफ डोम शेल्टर में खाट, गद्दे, कुर्सियां और बिस्तरों की व्यवस्था होगी। साथ ही स्नानघर, चेंजिंग रूम और क्लॉक रूम की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएंगी। परिक्रमा मार्ग पर सेवा केंद्र और दुकानों की भी व्यवस्था की जाएगी ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

स्वच्छता और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग अस्थायी शौचालय, मोबाइल टॉयलेट वैन, स्नान सुविधाएं और नियमित पानी की आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। कचरा प्रबंधन और साफ-सफाई के लिए हाउस-ाकीपिंग टीमें कई शिफ्टों में कार्य करेंगी।

लाखों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। परिक्रमा क्षेत्र में पुलिस बूथ, सुरक्षा केबिन और वॉच टावर स्थापित किए जाएंगे। भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग की जाएगी और इन्फ्रारेड (आ-ईआर) व आरएफआईडी आधारित हेड काउंट सिस्टम के जरिए यात्रियों की आवाजाही पर नजर रखी जाएगी।

पूरे 18 किलोमीटर के परिक्रमा मार्ग और घाटों पर एलईडी और फ्लड लाइट लगाई जाएंगी ताकि रात में भी श्रद्धालु सुरक्षित रूप से यात्रा कर सकें। इसके अलावा सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, वायरलेस संचार और सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था भी रहेगी।

इसके साथ ही यात्राधाम बोर्ड द्वारा स्थायी सुविधाओं के विकास पर भी ध्यान दिया जा रहा है। अब तक लगभग 5.07 करोड़ रुपये की लागत से कई स्थायी विकास कार्य पूरे किए जा चुके हैं, जिससे भविष्य में भी परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास भी, विरासत भीह्ल मंत्र के अनुरूप मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के मार्गदर्शन में प्रदेश की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देने के साथ आधुनिक सुविधाओं का विकास भी कर रही है।

16-03-2026 T.P. Page 8_Layout 1 17-03-2026 08:08 Page 1

ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कॅरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कॅरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशन नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कॅरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद है। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नहीं है, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिन्दगी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं-

ऐसे बनाएं कॅरियर

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कॅरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कॅरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपका उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कॅरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर टेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।

एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कॅरियर

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कॅरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद डिंक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कॅरियर के बारे में बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की डिंक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गेनाइज करना, कस्टमर्स को नए डिंक्स के बारे में बताना और उन्हें एंटरटेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कॅरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैवर्न आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरूआती दौर में आप दो से तीन लाख रूपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमैंट कैटरिंग टैक्नोलॉजी- एप्लाईड नुट्रीसन, कोलकाता
- सेंटमेरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

कैसे बनें लेखपाल? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं।
आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरुरी नहीं है। आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं - लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है।
लेखपाल दो तरह के होते हैं - राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

- आपको किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास होना चाहिए।
- मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।
- उम्मीदवार के पास कम्प्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा

लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है। इसके लिए 90 मिनट दिए जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25-25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी मार्क्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी

एक लेखपाल की सैलरी 5200-20200 रूपए प्रतिमाह पे-ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक क्लेरिकल पोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।

टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावायरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरतें तो कम नहीं हुई हैं, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एवं प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रुप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यूं ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सब्जी बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है।
कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएँ और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूँढें? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद कैनवा जैसी ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कांटेक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑलरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारों में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलिटी हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्रो करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरू करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अन हेल्दी फील होता है तो आप अपने ग्राहक खो देंगे। हां! स्वाद के लिए अपने मैन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मैन्यू जरूर बना सकते हैं। त्यौहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8:00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सअप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।